● वर्ष-2
● अंक-156
रायपुर, शुक्रवार 17 फरवरी 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

भूपेश सरकार की लूट और कांग्रेस के अंदर की फूट सामने आई- डॉ रमन

पूर्व मुख्यमंत्री की पत्रकार वार्ता, भाजपा नेताओं की हत्या की जांच करने की मांग की

रायपुर 16 फरवरी 2023 ः आज पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह ने रायपुर स्थित निवास कार्यालय में पत्रकार वार्ता की, इस पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि बस्तर में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की हत्या को लेकर छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक ने एनआईए को पत्र लिखकर जांच करने की मांग की है। उन्होंने 2013 के झीरम घाटी हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी तब झीरम घाटी हत्याकांड की जांच के लिए एनआईए को चुना गया था लेकिन तब भूपेश बघेल ने एनआईए से किनारा करते हुए अलग से एसआईटी बना कर झीरम घाटी हत्याकांड की जांच पर जोर दिया था, आज वही भूपेश बघेल बस्तर में भाजपा के नेताओं की हत्या से पल्ला

झाड़ने के लिए एनआईए को पत्र लिखकर उन पर विश्वसनीयता भी जता रहे है और उनसे जांच की मांग भी कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने आगे कहा कि आज प्रदेश में 16 लाख आवास नहीं बन पाए हैं, केंद्र की मोदी सरकार आवास और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं लागू करती है लेकिन भूपेश बघेल राज्यांश से पीछे हटकर इन योजनाओं का लाभ आम जनता को मिलने नहीं दे रहे हैं। इसके साथ ही कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के विषय पर उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार की लूट और कांग्रेस के अंदर की फूट इस अधिवेशन में सामने आ गई है प्रदेश अध्यक्ष और आदिवासी नेता मोहन मरकाम की फोटो बाद में पोस्टर में चिपकाकर भूपेश बघेल ने बता दिया है कि कांग्रेस में आदिवासी नेताओं का कितना सम्मान है। पहले टीएस सिंह देव को किनारे किया गया और अब मोहन मरकाम को किनारे करके अधिवेशन में यह दिखाने की कोशिश की जा रही है छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के अलावा कांग्रेस में कोई दूसरा नेता नहीं है।

इसके उपरांत पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने कहा कि पिछले 1 महीने में भारतीय जनता पार्टी के 4 नेताओं की हत्या हुई है, प्रमुख नेताओं को टारगेट करके उनकी हत्या की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे प्रदेश और बस्तर में भारतीय जनता पार्टी की गतिविधियां बढ़ी हैं और लगातार हो रहे आंदोलन से कांग्रेस में बौखलाहट है और यह एक तरह का षड्यंत्र का हिस्सा प्रतीत होता है। जिससे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के मन में भय उत्पन्न कर दिया जाए ताकि वह बस्तर में भ्रमण ना कर सके और सड़क पर उतर कर कार्य न कर सके। यह पूरा परिदृश्य चुनाव को प्रभावित करने के लिए साजिश का हिस्सा लग रहा है। गौरतलब है कि बस्तर में हुई भाजपा नेताओं की हत्या के विरोध में कल 17 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में चक्का जाम कर अपना विरोध प्रदर्शन करने जा रही है।

बस्तर में नेताओं की हत्या की जांच के लिए एनआईए को पत्र

बस्तर में पिछले 10 दिन में बीजेपी से जुड़े 3 नेताओं की हत्या हो चुकी है. हत्या का आरोप नक्सलियों पर लग रहा है. पुलिस महानिदेशक ने इस मामले में खत लिखकर राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी से जांच करने को कहा है. बीजेपी का आरोप है कि उसके नेताओं को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है. इस बीच, राज्य पुलिस ने बस्तर में नेताओं के लिए दौरे से पहले पुलिस को सूचना देना जरूरी कर दिया गया है ताकि संबंधित व्यक्ति के लिए उचित सुरक्षा इंतजाम किए जा सकें. बता दें, बस्तर में 16 जनवरी को बीजेपी जिलामंत्री बुधराम करटाम की हत्या हुई. इस माह 5 फरवरी को बीजापुर बीजेपी मंडल अध्यक्ष नीलकंठ कक्केम, 10 फरवरी को नारायणपुर बीजेपी उपाध्यक्ष सागर साहू और 11 फरवरी को इंद्रावती नदी के पार दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सरहद पर बीजेपी नेता रामधर अलामी की हत्या की गई. अपने नेताओं की हत्या से बीजेपी आक्रोशित है और पार्टी कार्यकर्ताओं ने इन हत्याओं के खिलाफ बस्तर में 12 विधानसभा सीटों पर प्रदर्शन किया और इसे बड़ी साजिश बताया।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

बस्तर में हत्या की जांच एनआईए को

पिछले दो सप्ताह के भीतर भारतीय जनता पार्टी के 4 नेताओं की हत्या बस्तर संभाग के अलग-अलग जिलों में हुई है। इन हत्याओं को लेकर भाजपा कांग्रेस की सरकार पर हमलावर रुख अपनाए हुए है। पार्टी के अध्यक्ष अरुण साव ने आरोप ने लगाया है कि भाजपा कार्यकर्ताओं में दहशत फैलाने के लिए सरकार की शह पर टारगेट किलिंग याने भाजपाईयों को निशाना बनाकर हत्या कराई जा रही है। लोकतांत्रिक राजनीति में कोई पार्टी सत्ता पक्ष पर यह आरोप लगाए तो यह अत्यंत गंभीर है। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में माओवादी हिंसा और भय के दम पर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त करने का पिछले 2-3 दशकों से देख रहे है। कांग्रेस पार्टी नक्सलवाद और माओवाद को लेकर शुरु से भ्रमित रही है। उनके अनेक नेता नक्सलियों और माओवादियों को सामाजिक आर्थिक मुद्दों को लेकर संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी तक मानते है। पिछले चुनाव के पहले कांग्रेस पार्टी के तब नेता रहे राजबब्बर ने उन्हें क्रांतिकारी ही कहा था। लेकिन कांग्रेस पार्टी और भारत की राजनीति में झीरम घाटी हत्याकांड एक गंभीर जख्म है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने भी माओवाद को देश का सबसे बड़ा आंतरिक समस्या माना था, तब छत्तीसगढ़ में शासन कर रही भाजपा की सरकार स्थानीय आदिवासियों के साथ माओवाद के खिलाफ में संघर्ष छेड़े हुई थी। यह बात सही है कि भाजपा सरकार के समय ही माओवाद को एक राष्ट्रीय समस्या के रुप में सामने लाने का कार्य किया गया था। कांग्रेस पार्टी भी विधानसभा चुनाव के पहले माओवाद की समस्या को सुलझाने का वादा की थी। लेकिन 4 वर्ष के बाद भी माओवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत के संकेत नहीं मिले है। इस बीच प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के बस्तर संभाग से एकमात्र विधायक भीमा मंडावी की हत्या हुई और उसके बाद लगातार भाजपा के कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया। इन घटनाओं के बाद भाजपा के आरोप के चलते अब प्रदेश सरकार ने मामले की जांच करने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को पत्र लिखा है। इसका मतलब है कि सरकार अब इन हत्याओं को आतंकी घटनाएं मान रही है। चुनाव जब करीब हो तो इस तरह की घटनाएं कई सवाल खड़े करती है। ऐसे मामले में सरकार और राजनीतिक दलों को गंभीर होना चाहिए। लेकिन प्रदेश में सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी और सरकार दोनों ने जिस प्रकार की बयानबाजी की है उससे गंभीरता नहीं झलकती है। मुख्यमंत्री यह कहें कि भाजपा इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी से करा ले तो यह काम प्रदेश सरकार का है, जैसा कि गुरुवार को किया गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता भी इस प्रकरण में जिस प्रकार के बयान दे रहे हैं वह किसी दृष्टि से उचित नहीं है। माओवाद से निपटने के विषय में सभी दलों को एकमत होना चाहिए।

त्रिपुरा विधानसभा के लिए मतदान संपन्न, 81 प्रतिशत हुई वोटिंग

त्रिपुरा में आज कड़ी सुरक्षा के बीच विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले गए। हालांकि, कई हिस्सों में मतदान के दौरान हिंसा के खबर भी आई। मतदान सुबह 7.00 बजे से शुरू हुआ शाम 4ः00 बजे तक राज्य में 81त्न मतदान दर्ज किया गया। त्रिपुरा में विधानसभा की कुल 60 सीटें हैं।

सीडब्ल्यूसी के चुनावों में दावेदारी पेश करने के मूड में नहीं शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कांग्रेस पार्टी में किसी भी तरह के चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस के आगामी पूर्ण अधिवेशन पर उन्होंने यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी भविष्य में चुनाव कराने का फैसला करती हो तो वे सीडब्ल्यूसी चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के बाद वह आगे किसी चुनाव पर विचार नहीं कर रहे हैं। थरूर ने यह भी कहा कि यह दूसरों के आगे बढ़ने के लिए है।

लोकसभा चुनाव की बताई रणनीति- इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में कांग्रेस के आगामी पूर्ण अधिवेशन को पार्टी के इतिहास में एक परिवर्तनकारी बिंदु करार दिया। उन्होंने कहा कि यह अधिवेशन अध्यक्ष पद के चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा के तुरंत बाद आयोजित किया जा रहा है। साथ ही इस अधिवेशन के बाद 2024 के लोकसभा चुनाव भी होने हैं। उन्होंने कहा कि अधिवेशन के लिए इससे बेहतर समय कोई नहीं हो सकता था। यह समय कांग्रेस नेताओं को यह सोंचने और चिंतन करने का अवसर है कि हमने क्या हासिल किया है और भविष्य की चुनौतियों के संदर्भ में पार्टी के सामने क्या है।

सीडब्ल्यूसी चुनाव पर बोले थरूर- इस दौरान यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी के पूर्ण अधिवेशन में कांग्रेस

कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के चुनाव कराना पार्टी के लिए जरूरी है? और क्या उन्होंने इस मुद्दे को पार्टी नेतृत्व के सामने उठाया है? थरूर ने कहा कि मैंने एक चुनाव में भाग लिया था और अब जब मैं हार गया हूं, तो मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है कि मैं पार्टी नेतृत्व को बताऊं कि मुझे क्या करना है। उन्हें वह कदम उठाने दें जो उन्हें उचित लगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि अगर अधिकांश प्रतिनिधि चुनाव चाहते हैं तो वे एक चुनाव कराएंगे और अगर बहुमत को लगता है कि इस समय चुनाव की जरूरत नहीं है तो वे ऐसे ही आगे बढ़ेंगे।

अन्य लोगों के आगे आने का समय- शशि थरूर- शशि थरूर ने कहा कि अगर ष्ट्ङ्खष्ट चुनाव के लिए घोषणा की जाती है। तो निश्चित रूप से मैं पार्टी के सहयोगियों से बात करूंगा तब हम देखेंगे कि पार्टी के सर्वोत्तम हित में क्या है। जहां तक बात मेरे चुनाव लड़ने की है तो मैं अपने हिस्से का चुनाव लड़ चुका हूं। अब यह अन्य लोगों के आगे आने का समय है।

प्रमुख समाचार

भाजपा आज प्रदेश के 78 विधानसभा क्षेत्रों में चक्का जाम कर देगी धरना

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी भाजपा पदाधिकारियों की निर्मम हत्या को लेकर प्रदेश के 78 विधानसभा क्षेत्रों में चक्का जाम कर धरना देगी। महीने में भारतीय जनता पार्टी के 4 नेताओं की हत्या के विरोध में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के 78 विधानसभा के 400 से अधिक स्थानों में चक्का जाम कर रहा है। कल 17 फरवरी को दोपहर 2:00 से 4:00 पूरे छत्तीसगढ़ में चक्का जाम किया जाएगा। जिसमें प्रमुख रुप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, रायपुर सांसद सुनील सोनी, पूर्व मंत्री व प्रवक्ता राजेश मूणत रायपुर शहर में जाम का नेतृत्व करेंगे। धमतरी में विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर, रंजना साहू, भाटापारा में शिवरतन शर्मा, भिलाई में सांसद विजय बघेल, सरगुजा में प नंदकुमार साय, रामविचार नेताम, विष्णुदेव साय, सांसद गोमती साय, शिवशंकर पैकरा, कृष्णकुमार राय, गणेशराम भगत, रोहित साय, भरत साय, बिलासपुर में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, धरमलाल कौशिक, भूपेन्द्र सवन्नी प्रदेश के 78 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता चक्का जाम कर धरना प्रदेश करेंगे।

ब्रिटेन जाएंगे राहुल, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में देंगे लेक्चर

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी इस महीने के आखिर में ब्रिटेन जा सकते हैं। राहुल कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के बिजनेस स्कूल में व्याख्यान

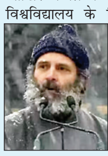

(लेक्चर) भी देंगे। राहुल गांधी ने ट्वीट कर इस बारे में लोगों को बताया। राहुल ने बताया कि मैं अपने मातृ-संस्थान रहे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय जाऊंगा। मैं बिजनेस स्कूल में व्याख्यान भी दूंगा। इस दौरान भूराजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध, बिग डाटा और लोकतंत्र समेत कई क्षेत्रों के प्रतिभावान छात्रों और लोगों से बात करूंगा। मैं सभी से संवाद करने को लेकर काफी उत्सुक हूं। कैम्ब्रिज बिजनेस स्कूल ने भी राहुल की यात्रा को ले क खुशी जताई। स्कूल की ओर से कहा गया कि वह राहुल गांधी का फिर से स्वागत करके खुश हैं। स्कूल ने ट्वीट किया कि राहुल गांधी कैम्ब्रिज बिजनेस स्कूल में व्याख्यान देंगे। बिग डाटा, लोकतंत्र तथा भारत-चीन संबंधों पर भी बात करेंगे। ब्रिटेन जाने से पहले राहुल गांधी रायपुर में 24-26 फरवरी को कांग्रेस के 85वें पूर्ण अधिवेशन में में भाग लेंगे।

अदाणी समूह-सरकार की जांच, समिति नहीं जेपीसी का विकल्प-कांग्रेस

नई दिल्ली। अदाणी मामले की जांच के लिए बनने वाली विशेषज्ञों की समिति के गठन से पहले ही कांग्रेस पार्टी ने उस पर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश का कहना है कि 13 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ ने अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, अडानी-हिंडनबर्ग प्रकरण के परिणामस्वरूप हुए भंडाफोड़ के आलोक में नियामक तंत्र की जांच करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने पर चर्चा की थी। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने सरकार को 17 फरवरी तक अपना निवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। बतौर जयराम रमेश, इस मामले में आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, यह अनिवार्य हो जाता है कि जनता के प्रति जवाबदेह निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा अदाणी और सत्तारूढ़ शासन के बीच संबंधों की जांच दिन के उजाले में की जाए। किसी समिति में चाहे जितने भी सक्षम कर्मचारी हो, विशेषज्ञ हों, वह ज्वाइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) का विकल्प नहीं बन सकती।

भाजपा विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

अहमदाबाद। भाजपा विधायक हार्दिक पटेल के खिलाफ गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले की अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

अदालत ने 2017 के एक मामले में पेश नहीं होने पर यह कार्रवाई की है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डीडी शाह ने सुरेंद्रनगर जिले में ध्रांगधरा तालुका पुलिस थाने के अधिकारी को पटेल को गिरफ्तार करने और बिना असफल हुए अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। दरअसल, हार्दिक पटेल ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले सुरेंद्रनगर जिले के एक गांव में सरकारी आदेश का उल्लंघन करते हुए राजनीतिक भाषण दिया था। इस मामले में 12 जनवरी, 2018 को एफआईआर दर्ज की गई थी। प्राथमिकी के मुताबिक, हार्दिक पटेल और उनके साथी कौशिक पटेल ने विधानसभा चुनाव से पहले 26 नवंबर, 2017 को गांव में एक बैठक आयोजित करने की अनुमति मांगी थी। उन्हें बैठक की अनुमति दी गई थी। इस दौरान उन्होंने अपने भाषण में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी अधिसूचना का कथित रूप से उल्लंघन किया था।

जिन्ना तो चले गए लेकिन उनके वारिस के रूप में कई लोग बच गए-गिरिराज

रांची। झारखंड में महाशिवरात्रि से पहले तोरण द्वार को लेकर दो गुटों में झड़प हो गया था। इसके बाद पलामू के पनकी में धारा 144 लागू करने पड़ी। इसी को लेकर गिरिराज सिंह ने कहा है कि जो कुछ भी हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज की बढ़ती आबादी मेरे लिए चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि जिन्ना के रास्ते पर चलने वाले जो कट्टरपंथी आ गए हैं वही ऐसा काम करते हैं। आजतक देश में हिंदुओं के द्वारा किसी भी तजिया पर एक पत्थर भी नहीं फेंका गया होगा। आपको बता दें कि महाशिवरात्रि से पहले एक मस्जिद के सामने तोरण द्वार लगाने को लेकर दो गुटों में झड़प के एक दिन बाद पलामू के पनकी में धारा 144 लागू है। पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। पलामू के आईजी राजकुमार लकड़ा ने बताया स्थिति सामान्य है। गिरफ्तारियां हुई हैं। जनता अफवाहों पर ध्यान न दे। इसके साथ गिरिराज सिंह ने असदुद्दीन ओवैसी पर भी वार किया। उन्होंने कहा कि औवेसी साहब के मुंह से जब भी निकलता है तो जहर ही निकलता है। वे कभी कायदे की बात नहीं करते। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिन्ना तो चले गए जिन्ना के वारिस के रूप में कई लोग बच गए हैं।

सचिन पायलट अब इंतजार के मूड में नहीं, अभी नहीं बने तो वर्षों तक इंतजार

गौतम मोरारका

राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने की परम्परा रही है। ऐसे में जहां भाजपा सत्ता में अपने आगमन को लेकर आश्वस्त है तो वहीं कांग्रेस का प्रयास है कि एक बार सरकार बदलने के चलन को बदला जाये। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मेहनत भी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने जो बजट पेश किया उसमें भी उन्होंने कई लोक लुभावन घोषणाएं की हैं। लेकिन गहलोत की कुर्सी चाह रहे सचिन पायलट का धैर्य अब जवाब देने लगा है। सचिन पायलट जानते हैं कि यदि अभी मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं मिली तो सरकार बदलने पर पांच साल और इंतजार करना होगा। पांच साल में राजनीति क्या करवट ले ले, कहा नहीं जा सकता। इसलिए अब सचिन पायलट इंतजार के मूड़ में नहीं हैं और उन्होंने सीधे कांग्रेस आलाकमान से स्थिति को स्पष्ट करने की माँग कर डाली है। सचिन पायलट ने कांग्रेस आलाकमान से सवाल पूछा है कि पार्टी का अनुशासन तोड़ने वाले अशोक गहलोत के करीबियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं की गयी है?

हम आपको बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने कहा है कि पिछले साल जयपुर में पार्टी विधायक दल (सीलपी) की बैठक में भाग नहीं लेकर तत्कालीन पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश की ''अहवेलना करने वाले'' नेताओं के खिलाफ कार्रवाई में ''अत्यधिक विलंब'' हो रहा है। सचिन पायलट ने कहा है कि अगर राज्य में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा बदलनी है तो कांग्रेस को इन सब मामलों पर जल्द फैसला करना होगा।

सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले तीन नेताओं को चार महीने पहले दिए गए कारण बताओ

नोटिस का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेतृत्व ही इसका सही जवाब दे सकते हैं कि मामले में निर्णय लेने में ''अप्रत्याशित विलंब'' क्यों हो रहा है। सचिन पायलट ने कहा, ''विधायक दल की बैठक 25 सितंबर को मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई थी। यह बैठक नहीं हो सकी। बैठक में जो भी होता वो अलग मुद्दा था, लेकिन बैठक ही नहीं होने दी गई।'' उन्होंने कहा कि जो लोग बैठक नहीं होने देने और समानांतर बैठक बुलाने के लिए जिम्मेदार थे उन्हें ''प्रथम दृष्टया अनुशासनहीनता'' के लिए नोटिस दिए गए थे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा, ''मुझे मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मिली कि इन नेताओं ने नोटिस के जवाब दे दिए। लेकिन उन जवाबों पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफ से अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसके अलावा सचिन पायलट ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा उच्च न्यायालय में दायर हलफनामे में इसका उल्लेख किया गया है कि 81 विधायकों के इस्तीफे मिले और कुछ ने व्यक्तिगत तौर पर इस्तीफे सौंपे थे। उनके अनुसार, हलफनामे में यह भी कहा गया कि कुछ विधायकों के इस्तीफे फोटोकॉपी थे और शेष को स्वीकार नहीं किया गया क्योंकि ''वे अपनी मर्जी'' से नहीं दिए गए थे। उन्होंने कहा कि यह एक कारण था जिसके आधार पर विधानसभा अध्यक्ष ने इस्तीफे अस्वीकार किए।

सचिन पायलट ने इस बात पर जोर दिया, ''ये इस्तीफे स्वीकार नहीं किए गए क्योंकि अपनी मर्जी से नहीं दिए गए थे। अगर वे अपनी मर्जी से नहीं दिए गए थे तो ये किसके दबाव में दिए गए थे? क्या कोई धमकी थी, लालच था या दबाव था...यह एक ऐसा विषय है जिस पर पार्टी की ओर से जांच किए जाने की जरूरत है।'' राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सचिन पायलट ने कहा, ''हम बहुत जल्द चुनाव की तरफ बढ़ रहे हैं, बजट भी पेश हो चुका है। पार्टी नेतृत्व ने कई बार कहा कि वह फैसला करेगा कि कैसे आगे बढ़ना है। राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के बारे में जो भी फैसला करना है वो होना चाहिए क्योंकि इस साल के आखिर में चुनाव है।''

सचिन पायलट के अनुसार, अगर हर पांच साल पर सरकार बदलने की 25 साल से चली आर रही परंपरा बदलनी है और फिर से कांग्रेस की सरकार लानी है तो जल्द फैसला करना होगा। सचिन पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान में खुद आक्रामक ढंग से प्रचार कर रहे हैं और ऐसे में कांग्रेस को अब मैदान पर उतरकर कार्यकर्ताओं को लामबंद करना होगा ताकि ''हम लड़ाई के लिए तैयार रहें।'' उन्होंने कहा, ''विधायक दल की बैठक तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के निर्देश पर बुलाई गई थी और ऐसे में बैठक नहीं होना पार्टी के निर्देश की अहवेलना थी।'' गौरतलब है कि प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचेतक एवं पीएचईडी मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर को उस समय नोटिस जारी किए गए थे, जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खेमे के विधायक 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे और पार्टी के किसी भी कदम के खिलाफ धारीवाल के आवास पर समानांतर बैठक की थी।

बस्तर में भाजपा नेताओं की हत्या की जांच करेगी एनआईए

■ डीजीपी ने लिखा पत्र, कहा- इलाका सिकुड़ने से बौखलाहट में नक्सली

रायपुर/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में छह दिनों में तीन भाजपा नेताओं की हत्या को लेकर अब राज्य सरकार एनआईए जांच कराना चाहती है। इसको लेकर डीजीपी अशोक जुनेजा ने एनआईए को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि नक्सलियों का इलाका लगातार सिकुड़ रहा है। केंद्रीय सुरक्षा बल और राज्य पुलिस के प्रयास से विगत वर्षों में नक्सली उन्मूलन में सफलता मिली है। इससे नक्सली बौखलाहट में जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। कहा कि, राज्य सरकार भयमुक्त शासन व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ की

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सरकार भयमुक्त एवं विधिसम्मत शासन व्यवस्था प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने पुलिस के संवेदनशील रवैये के साथ नक्सलवादियों के आत्मसमर्पण के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि विकास, विश्वास और सुरक्षा की रणनीति के कारण ही प्रदेश में नक्सली हिंसा की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगी है। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पिछले चार वर्षों में नक्सली उन्मूलन को लेकर लगातार कार्य किए जा रहे हैं।

पिछले साल 46 नक्सली मारे गए 555 ने किया सरेंडर

बीते वर्ष सरकार के द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर और छत्तीसगढ़ पुलिस के संवेदनशील व्यवहार के कारण 555 नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण किया है जो एक बड़ी सफलता है। इसी दौरान 46 नक्सलवादियों की पुलिस मुठभेड़ में मौत भी हुई है। बीते चार वर्षों में नक्सल पीड़ित क्षेत्रों में 900 से अधिक परिवारों को मुकदमों से मुक्ति दिलाई जा चुकी है जो सरकार की आदिवासियों के हित में दूरदर्शी सोच और पुलिस की संवेदनशीलता से संभव हो पाया है।

सरकार ने कहा-बस्तर को लेकर भ्रांतियां दूर कीं

बस्तर को लेकर चार वर्ष पहले तक देश में कई भ्रांतियां थीं, लेकिन सरकार ने सुरक्षा और विश्वास को लेकर कार्य किया है। इस दौरान बस्तर क्षेत्र में विकास के कार्य हुए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बंद पड़े स्कूलों को फिर से प्रारंभ किया गया, नए अस्पताल खोले गए, ग्रामीणों के लिए पानी और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गयीं। प्रत्येक गांव में राशन दुकान खोले गए हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को वन अधिकार पट्टों का वितरण किया गया है और आदिवासियों को उनकी जमीनें वापस कराई गई है।

भाजपा अपने ही कार्यकर्ताओं की मौत पर राजनीति कर रही है : विक्रम मंडावी

बीजापुर। नक्सल हत्याओं को लेकर भाजपा के आरोपों पर बीजापुर के विधायक और कांग्रेस नेता विक्रम मंडावी ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा अपने ही कार्यकर्ता की मौतों पर राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं। भाजपा ये न भूलें कि भाजपा नेताओं के दामन पर झीरम नरसंहार के खून के छींटे लगे हुए हैं। विक्रम मंडावी ने कहा कि हत्या किसी की भी हो निंदनीय है। भाजपा नेता गैरजिम्मेदाराना आरोप और नक्सल हिंसा पर ओछी राजनीति कर रहे है। भाजपा की रमन सरकार के दौरान बीजापुर में कांग्रेस नेता और जिला पंचायत सदस्य सिक्का मांझी और जनपद उपाध्यक्ष बुधराम राणा की भी नक्सलियों ने हत्या की थी। तब भाजपा नेताओं के लिए नक्सल घटना की परिभाषा अलग थी (कांग्रेस ने भी नक्सल हिंसा में अपने नेताओं को खोया है, कांग्रेस ने इस पर कभी राजनीति नहीं की। कांग्रेस कभी भाजपा की तरह जांच रोकने में विश्वास नहीं करती। भाजपा ने शुरू से झीरम नरसंहार की जांच बाधित की। भाजपा के 15 साल सत्ता में रहते रोजाना बड़ी तादाद में आम नागरिक और जवान मारे जाते थे। बस्तर में लगातार भाजपा का जनाधार गिर रहा है, भाजपा ने आदिवासियों का विश्वास खोया है, इससे बौखलाकर भाजपा बस्तर को प्रायोजित ढंग से अशांत करने के षड्यंत्र में लगी है और प्रदेश सरकार को बदनाम करने में लगी है।

बस्तर में प्रेशर बम के ब्लास्ट से बचे आईटीबीपी जवान

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में वफादारी की नई मिसाल सामने आई है। जिस कुत्ते को जवान आते-जाते कुछ खाने को दे देते थे, उसने उनके लिए अपनी जान दे दी। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों के साथ गश्त के दौरान नक्सलियों के लिए, लगाए प्रेशर आईईडी पर कुत्ता जाकर बैठ गया। इसी दौरान ब्लास्ट हुआ। इसमें कुत्ते के चीथड़े उड़ गए और जवानों की जान बाल-बाल बच गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि धनोरा थाना क्षेत्र में बुधवार को आईटीबीपी के जवानों को गश्त के लिए रवाना किया गया था। इस दौरान गांव का ही एक कुत्ता भी उनके साथ चल रहा था। जब जवान हिकपोल और टेकानार के जंगल में पहुंचे थे, तभी कुत्ता वहां नक्सलियों के लगाए गए बम के ऊपर जाकर बैठ गया और प्रेशर बम में तेज धमाका हुआ। घटना में कुत्ते की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चपेट में आने से एक जवान मनोज यादव घायल हो गया। उसे हल्की चोट आई है। घटना के बाद अन्य जवानों ने घायल मनोज को अस्पताल पहुँचाया।

जशपुर में हेवी ब्लास्टिंग की चपेट में आने से छात्रा की मौत

■ मुख्यमंत्री बघेल ने दिए कठोर कार्रवाई के निर्देश

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कुनकुरी से लगे मयाली में बुधवार शाम पत्थर खदान में हेवी ब्लास्टिंग से पार्क में घूमने गई किशोरी चपेट में आ गई और उसकी मौके पर मौत हो गई। पत्थर खदान से उड़कर आए पत्थर से किशोरी के सिर के परखच्चे उड़ गए। मृत किशोरी कक्षा 12 वीं की छात्रा थी। जहां यह घटना हुई, उस पार्क का शुभारंभ 13 फरवरी को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया था। जशपुर कलेक्टर ने मामले में संबंधितों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे दिया है। उधर, इस मामले को सीएम बघेल ने गंभीरता से लेते हुए ठोस कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार कुनकुरी के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मयाली में पार्क के पास स्थित एक पत्थर खदान में बुधवार शाम हेली ब्लास्टिंग की गई। हेवी ब्लास्टिंग के कारण उड़ा एक बड़ा पत्थर मयाली पार्क में घूमने आई किशोरी केश्वरी बाई के सिर में जा लगा। पत्थर लगने से किशोरी के सिर के परखच्चे उड़ गए और उसकी मौके पर मौत हो गई। मृत किशोरी खटांगा गांव की निवासी थी और हायर सेकेंडरी स्कूल चरईडांड में 12 वीं की छात्रा थी। मयाली धार्मिक स्थल भी है। यहां स्कूल भी हैं, फिर भी चार पत्थर खदानों की स्वीकृति कैसे दी गई, इसका लोग पूर्व से विरोध भी करते रहे हैं।

एसपी डी.रविशंकर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि संबंधितों के खिलाफ एफआईआर की जाएगी। मामले की जांच की जा रही है। कलेक्टर ने दिया एफआईआर का आदेश- मामले को जशपुर कलेक्टर रवि मित्तल ने गंभीरता से लेते हुए संबंधित ठेकेदार एवं खदान मैनेजर के खिलाफ एफआईआर का आदेश दिया है। कलेक्टर ने मामले में जांच कमेटी बनाई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद खदानों पर कार्रवाई होगी।

सीएम ने लिया संज्ञान कठोर कार्रवाई के आदेश

कुनकुरी मयाली के पास पत्थर खदान में हुई ब्लास्टिंग को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गंभीरता से लिया है। उन्होंने जशपुर कलेक्टर को क्रशर मालिक के खिलाफ अपराध दर्ज करने के साथ ही कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया और संबंधित दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के सख्त निर्देश दिए हैं। कलेक्टर रवि मित्तल ने कहा कि प्रभावित परिवार को जिला प्रशासन हर संभव सहायता करेगा। प्रभावित परिवार के परिजनों को 10 लाख मुआवजा दी जाएगी। कलेक्टर ने खदान को सील करने के सख्त निर्देश दिए हैं। अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में जांच समिति भी गठित करने का निर्देश दिया गया है।

विधायक निवास का घेराव करने आए भाजपाइयों को पुलिस ने रोका

कोरबा। बुधवार को मोर आवास मोर अधिकार योजना के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हितग्राहियों के हित में भाजपा जिला इकाई ने नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल की उपस्थिति में पाली मण्डल अंतर्गत ग्राम पोलमी में विधायक मोहित केरकेट्टा के निवास का घेराव किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ वंचित हितग्राही रैली की शक्ल में निकलकर मंचीय कार्यक्रम के एकत्रित हुए। इस दौरान रास्ते भर कार्यकर्ता एवं वंचितों द्वारा प्रदेश सरकार और स्थानीय विधायक के खिलाफ जमकर नारे बाजी की गई। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, मनेन्द्रगढ़ के पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, कोरबा लोकसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी ज्योतिनंद दुबे, भाजपा अध्यक्ष राजीव सिंह, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय भावनानी, भाजपा अनु. जनजाति मोर्चा महामंत्री विजय बहादुर ने सम्बोधित किया। जिसके बाद कार्यकर्ता विधायक निवास घेरने निकले जहाँ पहले से मौजूद पुलिस एवं प्रशासन ने 200 मीटर पहले रोक दिया। जहाँ तहसीलदार पाली द्वारा ज्ञापन लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोरबा पूर्व महापौर जोगेश लाम्बा, जिला संघटन सह प्रभारी गोपाल साहू, विस.प्रभारी ब्रजेंद्र शुक्ला, कार्यक्रम के संगठन सह प्रभारी चिंटू राजपाल, किरण मरकाम, जिला पंचायत सदस्य रामेश्वरी जगत, रामनारायण उरेती, जिला मंत्री अजय

जायसवाल, भाजपा मण्डल अध्यक्ष पाली रोशन ठाकुर, चैतमा अध्यक्ष कृष्णा यदु, पोड़ी.उपरोड़ा अध्यक्ष रघुनंदन जायसवाल, पसान अध्यक्ष पवन पोया, चोटिया अध्यक्ष रवि मरकाम, शिवप्रकाश कंवर सहित पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित हितग्राही हजारों की संख्या में उपस्थित रहे।

कनकी में महाशिवरात्रि महामेला 18 से

कोरबा। जिला मुख्यालय कोरबा से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कनकी छत्तीसगढ़ में कनकेश्वरधाम के नाम से प्रसिद्ध है। क्योंकि यहां भगवान शिव का एक पुराना मंदिर है। जहां सावन एवं महाशिवरात्रि में लाखों श्रद्धालु इस मंदिर में कनकेश्वर महादेव के दर्शन एवं पूजन के लिए आते हैं। महाशिवरात्रि पर यहां विशाल मेला का आयोजन किया जाएगा। युवा संगठन कनकेश्वर सेवा समिति के सदस्यों ने बताया कि कनकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में 18 फरवरी से 24 फरवरी तक भव्य मेला लगेगा। जहां आसपास क्षेत्र सहित दूर-दूर से लोग आएंगे और कनकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना कर मेले का आनंद लेंगे। कनकेश्वर महादेव मंदिर को लगभग 13वीं शताब्दी का कहा जाता है लेकिन पुरातात्विक विभाग ने इसकी पुष्टि नहीं की है। फिर भी मंदिर की दीवारों और चौखटों पर पुरातात्विक मंदिरों तुमान, पाली जैसे सुंदर उत्कीर्णन और आकृति देखने को मिलती है। मंदिर को छत्तीसगढ़ पुरातत्व विभाग द्वारा एक संरक्षित मंदिर का दर्जा प्राप्त है। मंदिर के उत्पत्ति का इतिहास यह है कि एक गाय प्रतिदिन एक स्थान पर स्थित शिवलिंग पर दूध चढ़ाने जाती थी।

बीएमएस जल्द करेगा आंदोलन का शंखनाद

■ एसईसीएल के सभी संचालित कोयला कामगारों को किया जाएगा जागरूक

कोरबा। कोयला खदानों के बाहर गेट मीटिंग लेकर बीएमएस के आंदोलन की शंखनाद होगी। पहले चरण में एसईसीएल के जिले में संचालित सभी चारों एरिया के खदानों में काम करने वाले कोयला कर्मचारियों को जागरूक किया जाएगा। इस दौरान अधिकारों को पाने आगे संघर्ष के लिए तैयार रहने एकजुट किया जाएगा।

बीएमएस के महामंत्री सुधीर घुरडे के कोयला सचिव को लिखे पत्र के बाद संगठन ने स्थानीय स्तर पर तैयारी शुरू की है। कोयला कर्मियों के हित में लड़ाई लड़ने तैयार रहने खदानों के बाहर 19 फरवरी से 21 फरवरी तक गेट मीटिंग लेकर कोयला कामगारों को जागरूक किया जाएगा। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी है। वेतन समझौते पर बनी सहमति को जल्द मंजूरी और नॉन एमजीबी के मुद्दे पर भी जल्द सहमति बनाने बीएमएस की मांग है। बीएमएस के पदाधिकारियों ने बताया कि एमजीबी पर सहमति बनने के बाद कोल इंडिया प्रबंधन कोयला कर्मियों के वेतन समझौते के अन्य मुद्दे पर पहल करने के बजाय बेवजह की देरी कर रहे है। जेबीसीसीआई की 8 बैठकों के बाद फैसले आने के बाद अब की जा रही देरी पर भी कोल कर्मियों के नाराजगी है। जुलाई 2021 से कोयला कामगारों का नया वेतनमान लागू होना है। मगर 19 माह का लंबा समय गुजरने के बाद भी अब भी इस लाभ से कर्मचारी वंचित हैं। बैठक में बीएमएस छत्तीसगढ़ के उद्योग प्रभारी राधेश्याम जायसवाल महामंत्री अशोक सूर्यवंशी नवरतन बरेठ मौजूद रहे। कोयला खदान मजदूर संघ बिलासपुर के अध्यक्ष टिकेश्वर राठिया ने बताया कि बैठक में गेट मीटिंग की तैयारी पर चर्चा हुई है। इसमें अन्य श्रमिक संगठन भी शामिल हो इसके लिए संपर्क कर रहे हैं। सभी यूनियनों का साथ मिलने पर कोयला कर्मियों के हित में बेहतर तरीके से आवाज बुलंद कर पाएंगे।

छत्तीसगढ़

प्रमुख समाचार

वार्ड 13 मरोदा टैंक में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान

भिलाई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार ब्लाक कांग्रेस कमेटी 6 के द्वारा आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा आयोजन बुधवार की सन्ध्या मरोदा टैंक के वार्ड 13 में यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर घर घर छग के कांग्रेस सरकार के उपलब्धियो को पामलेट के माध्यम से बताया गया इस अवसर पर यात्रा प्रभारी श्रीमती सरिता जितेंद्र साहू, ब्लाक अध्यक्ष मुकुंद भाऊ,महामंत्री चन्द्रकांत कोरे, पार्षद ईस्वरी साहू, टीकम साहू,पूर्व पार्षद राजेंद्र रजक,एल्डरमेन मोहम्मद निजाम, शिरिश साहू, सन्ध्या वर्मा, अशोक सिन्हा, महिला ब्लाक अध्यक्ष हेमिन चतुर्वेदी, गोविन्द वर्मा, रुस्तम खान, सोमनाथ यादव,सुरेन्द्र बाघमारे,जयंती महानन्द,मनीष शर्मा,सुभम वर्मा,तारन टंडन,प्रियंका गौतम सहित वार्ड 13 के नागरिक उपस्थित थे। वहीं पाटन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन द्वारा आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो पद यात्रा 16 फरवरी दिन (गुरुवार) को 12 बजे से ग्राम तर्रा से सुरु होकर ग्राम लोहरसी में समाप्त हुई।

नई सड़क बनाने बालको सीईओ को सौंपा ज्ञापन

कोरबा। नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल क्षेत्र के व्यवसायियों के एक प्रतिनिधि मंडल के साथ सीईओ को ज्ञापन सौंपकर सड़क बनाने की मांग की है। अग्रवाल ने बताया कि परसाभाठा, रिंग रोड दोनों ही सड़क पर दिनभर जाम लगा रहता है। उक्त सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं। क्षेत्र के लोगों को कोरबा आने जाने वैकल्पिक मार्ग का सहारा लेना पड़ता है, जो कि जोन कार्यालय से गायत्री मंदिर, अंबिका मंदिर होते हुए रिसदा चौक तक की सड़क है। इस सड़क की स्थिति इतनी खराब है कि आवागमन करना मुश्किल होता है। इस सड़क की मरम्मत कराने के लिए क्षेत्र के लोगों द्वारा आंदोलन भी किया, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। बुधवार को प्रतिनिधि मंडल ने बालको सीईओ को ज्ञापन सौंपकर सड़क बनाने की मांग की है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में शिक्षकों के लिए भर्तियां

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी स्कूल में शिक्षकों से लेकर विभिन्न पदों के लिए भर्तियां शुरू हो रही हैं। बेमेतरा जिले के अलग-अलग स्कूलों में होने वाली इन भर्तियों के लिए 22 और 23 फरवरी को वॉक-इन इंटरव्यू होगा। यह भर्ती संविदा पर होगी और इसके लिए प्रतिभागी को इंटरव्यू के दौरान अपने विषयवार सभी मूल प्रमाण पत्र के साथ निर्धारित आवेदन पत्र भरकर उपस्थित होना होगा। आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे से 11.00 बजे तक जिला पंचायत बेमेतरा के सभा कक्ष में पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। 22 फरवरी को व्याख्याता अंग्रेजी शिक्षक, अंग्रेजी सहायक शिक्षक, विज्ञान और कला का साक्षात्कार होगा। अगले दिन 23 फरवरी को प्रयोगशाला सहायक शिक्षक पद के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। प्रयोगशाला सहायक शिक्षक अनारक्षित पद के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने की स्थिति में 23 फरवरी को पंजीयन क्रमांक एक से 100 तक और शेष अभ्यर्थियों का अगली तिथि में होगा।

संस्कृति मंत्री ने हितग्राहियों को बांटा चेक

अम्बिकापुर। मैनपाट महोत्सव के दूसरे दिन की सांस्कृतिक कार्यक्रम में भोजपुरी स्टार पवन सिंह की धमाकेदार भोजपुरी गीत-संगीत का दर्शकों ने जमकर लुत्फ उठाया और झूमने एवं थिरकने लगे। इस अवसर पर संस्कृति श्री अमरजीत भगत ने श्रम विभाग द्वारा संचालित करीब 6 योजनाओं के 892 हितग्राहियों को डेढ करोड़ रुपये का चेक वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महोत्सव में विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित करने के साथ ही जानकारी भी दी जाती है। महोत्सव के माध्यम से लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो जाता है। महोत्सव में कलाकारों की प्रस्तुति से मैनपाट को नया पहचान मिल रहा है। इस अवसर पर संसदीय सचिव एवं भटगांव विधायक पारसनाथ राजवाड़े, छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह बाबरा, बद्रूदीन इराकी, गौ-सेवा आयोग के सदस्य अटल यादव, कलेक्टर कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

देवांगन समाज के परमेश्वरी महोत्सव का आयोजन 19 को

रिसाली। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर द्वारा परमेश्वरी महोत्सव का आयोजन 19 फरवरी को परमेश्वरी भवन, प्रगति नगर रिसाली में किया गया है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, केबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, दुर्ग के सांसद विजय बघेल, राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय, राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष अरूण वोरा, विधायक देवेन्द्र यादव, महापौर भिलाई नीरज पाल, महापौर दुर्ग धीरज बाकलीवाल, महापौर रिसाली शशि सिन्हा को आमंत्रित किया गया है। साथ ही पत्रिका आवरण के 26वें अंक का विमोचन होगा। परमेश्वरी महोत्सव की शुरुआत में ग्लोब चौक, सेक्टर -6 से देवांगन समाज की इष्टदेवी माता परमेश्वरी की शोभायात्रा निकलेगी जो डीपीएस रिसाली चौक, आजाद मार्केट चौक, प्रगति नगर रोड से होते हुए सड़क नंबर -20 प्रगति नगर में स्थित कार्यक्रम स्थल परमेश्वरी भवन पहुंचेगी।

तेन्दूपत्ता शाखकर्तन कार्यशाला में शामिल हुई विधायक

नगरी। तेन्दूपत्ता शाखकर्तन कार्यशाला केकती सेंटर दुगली में सम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव उपस्थित हुई। इस शाखकर्तन कार्यशाला में कोसरिया उप प्रबंधक ने बताया कि तेंदूपत्ता की गुणवत्ता के लिए शाख कर्तन प्रथम महत्वपूर्ण कार्य है। जड़ भंडार एवं रूट-सकर से प्राप्त छोटे पौधों को जमीन की सतह से उपर से काटे जाने की प्रक्रिया को शाखकर्तन कहा जाता है।

नाविक एस.डी.ओ.वन बिरगुड़ी ने बुटाकटाई क्यो करे की जानकारी दिये कि बुटाकटाई के फ्लस्वरूप निकलने वाले पत्ते न केवल अधिक मात्रा मे आते है। बल्कि अनके आकार मे वृद्धि तथा रंग रूप में भी गुणात्मक सुधार होता है। शाखकर्तन के पश्चात् अच्छा पत्ता शाखकर्तन कि तिथि से 40-50 दिनों क अंदर उपलब्ध हो जाता है। और वर्षा ऋतु के पूर्व ही इसे एकत्रित किया जा सकता है। मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मी ध्रुव ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे क्षेत्र का 52 प्रतिशत भाग वनो से घिरा हुआ है। हमें अपने जंगल को अग्नि से बचाकर रखना है। हमारे छत्तीसगढ़ के मुखिया भूपेश बघेल ने 2500 रू प्रति मानक बोरा के दर को बढ़ाकर 4000 रू प्रति मानक बोरा किये है।

साथ ही 65 प्रकार के वनोपज का समर्थन मूल्य में खरीदी किया जा रहा है। साथ ही वन विभाग को निर्देशित किया कि 65 प्रकार के वनोपजों की सुची दर सहित फ्लेक्स लगाकर जनता तक पहुंचाये, जिससे उनको वनोपज की कीमतों की जानकारी आसानी से हो सकेगी। भूपेश बघेल जी ने व्यक्तिगत वन पट्टा के साथ-साथ सामूहिक वन अधिकार पट्टा का वितरण भी किये है। साथ ही निर्देशित किये है कि राम वनगमन पथ भी हमारे क्षेत्र से होकर गुजर रही है। इसमें कोई भी समस्या नही आना चाहिये इसका विशेष ध्यान दिया जाये। दुगली से मेचा तक जो सड़क निर्माण कार्य हो रहा है। उसका एन.ओ.सी. के लिए कार्यवाही शीघ्र करें जिससे निर्माण कार्य प्रारम्भ हो सके उक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोमनाथ सोम अध्यक्ष जिला वनोपज सहकारी समिति, एल.एल. ध्रुव, मनोज साक्षी सदस्य जिला पंचायत, मीना बंजारे सदस्य जिला पंचायत, राजेन्द्र सोनी सदस्य मंण्डी नगरी, रूद्र प्रताप नाग विधायक प्रतिनिधि, नरसिंह मरकाम, गिरिवर सिन्हा, हिरामन ध्रुव, राजेश सामरथ, चांद प्रशिशु आई.एफ.एस., नाविक साहब, एस.डी.ओ. बिरगुड़ी, कोसरिया उपप्रबंधक एवं समस्त रंज अधिकारी, समिति अध्यक्ष, फड़ मुन्शी एवं वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी ने युवाओं का किया मार्गदर्शन

■ भाजपा अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम ने युवाओं को प्रेरित किया

■ गढ़डोंगरी के आदिवासी युवा मिले जनपद अध्यक्ष से

नगरी। ग्राम पंचायत गढडोंगरी (मा.) के आश्रित ग्राम नयापारा के जय आदिवासी युवा शक्ति के सदस्य ने जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम से मुलाकात की।

ग्राम के युवाओं ने बताया कि आज हमारे गांव नयापारा में विकास कार्य शुन्य है। युवाओं को मार्गदर्शन एवं ग्रामीणों को मार्गदर्शन नहीं मिल रहा है। युवाओं में निराशा व्याप्त है। इसीलिए हम जनपद अध्यक्ष से मिलने आए हैं।

जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम ने युवाओं का धन्यवाद किया। हौसला अफ्जाई करते हुए उनको मार्गदर्शन किया और शासन की विभिन्न योजनाएं खासकर केंद्र सरकार की युवाओं के लिए, बेरोजगारों के लिए और समाज के लिए किए जा रहे हैं कार्यों का प्रचार प्रसार करने को कहा और उसकी जानकारी दी।

युवाओं को सरपंच मुनईकेरा और भाजपा अजजा मोर्चा के जिलाध्यक्ष महेन्द्र नेताम ने प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल के लिए सजग तथा सामाजिक, राजनैतिक जागरूकता को गांव के विकास के लिए आवश्यक बताया। नशापान से दूर रहकर भविष्य के लिए लक्ष्य तय करने कहा। युवाओं ने जनपद अध्यक्ष, जनपद के उपाध्यक्ष और सरपंच महेन्द्र नेताम से मिलकर प्रसन्न व्यक्त की। इस दौरान लोकेश कुमार मरकाम, खिरभान मरकाम, हेमलाल मरकाम, पंकज नेताम, रूपेश मरकाम, होमेश मरकाम, चंद्रशेखर नेताम, खिलेश मरकाम, ओम कुमारी नेताम, दीकेश्वरी मरकाम, एवं अध्यक्ष कुंदन मरकाम शामिल रहे।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

जल रहेगा तभी आने वाला कल रहेगा : प्रधानमंत्री

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीसी के माध्यम से ब्रह्म कुमारियों द्वारा आयोजित जलजन अभियान का उद्घाटन किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि जल रहेगा तभी आने वाला कल रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं जब भी आपके पास आता हूं आपका स्नेह और अपनापन मुझे अभिभूत कर देता है। मोदी ने कहा कि जल जन अभियान एक ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब पानी की कमी को भविष्य के संकट के रूप में देखा जा रहा है। इतनी बड़ी आबादी के कारण वाटर सिक्योरिटी हम सब की साझी जिम्मेदारी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जल रहेगा तभी आने वाला कल भी रहेगा और इसके लिए हमें आज से ही प्रयास करने होंगे। ब्रह्म कुमारी संस्थान के इस जल जन अभियान से जन भागीदारी के इन प्रयासों को नई ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने जल संरक्षण पर जडोर दिया। उन्होंने कहा कि इस से जल संरक्षण के अभियान की पहुंच भी बढ़ेगी और प्रभाव भी बढ़ेगा।

कश्मीर आज पर्यटकों से भरा पड़ा है : अमित शाह

नईदिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को जम्मू कश्मीर को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि पहले हर दिन वहां विरोध प्रदर्शन और पथराव होता था। लेकिन आज वहां की स्थिति में परिवर्तन आया है और आज कश्मीर पर्यटकों से भरा हुआ है। दरअसल, अमित शाह दिल्ली पुलिस के 76 वें स्थापना दिवस परेड को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है कि मैं 75 साल से अधिक की विरासत का हिस्सा हूं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस आजादी के बाद से आज तक अपने काम के लिए जानी जाती है और पूरे देश ने इसकी सराहना की है। गृह मंत्री मे उन लोगों के अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। शाह ने कहा कि आजादी के बाद दिल्ली पुलिस शांति, सेवा, न्याय के नारे के साथ आगे बढ़ी और अपने काम और कार्यप्रणाली में बदलाव लाया है जो देश के लिए फायदेमंद है।

किसी एक पार्टी में भाजपा को हराने की ताकत नहीं : तेजस्वी

पटना। राजद नेता व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव गुरुवार को दिल्ली से पटना पहुंचे। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से मुलाकात कर वापस लौट तेजस्वी ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आज की तारीख में किसी भी पार्टी के लिए अकेले भाजपा को हरा पाना मुश्किल है। भाजपा को सबसे मजबूत पार्टी बताते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ कोई अकेले चुनाव नहीं लड़ना चाहता है। सब गठबंधन चाहते हैं। भाजपा को अगर सत्ता से दूर करना है तो हमें बिहार की तरह देश के स्तर पर गठबंधन बनाना ही होगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि 25 फरवरी को पूर्णिया में महागठबंधन की रैली एतिहासिक होगी। केजरीवाल से मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि जब वो झारखंड गये तो हेमंत सोरेन से उनकी मुलाकात हुई और दिल्ली गये तो अरविंद केजरीवाल से मुलाकात हुई। और जब दो नेता बैठते हैं तो बात तो होती है कि देश में क्या चल रहा है क्या हो रहा है। जो है उसको लेकर चर्चा हुई।

टिपरा मोथा चीफ माणिक्य ने 31 सीटें जीतने का किया दावा

अगरतला। त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधानसभा के लिए गुरुवार को मतदान हुआ। इस बीच टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन ने दावा किया कि उनकी पार्टी चुनाव में 31 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा, हमारी मांग लोगों को संवैधानिक अधिकार दे रही है उसके बाद हम सीएम चेहरे की बात करेंगे। चुनाव के दिन हर पार्टी कहेगी, मैं भी कहूंगा कि हम 31 सीटें जीत रहे हैं। टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मन ने त्रिपुरा विधानसभा में शानदार मतदान का अनुमान लगाया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मतदान प्रतिशत 90% से अधिक होगा और त्रिपुरा के लोग हमें मौका देंगे। हमें पता चला है कि धनपुर और मोहनपुर में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा हिंसा हुई है। हमने धनपुर और मोहनपुर में हिंसा और ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत की है। हमारी मांग लोगों को संवैधानिक अधिकार देने की है इसके बाद हम मुख्यमंत्री के चेहरे की बात करेंगे।

भाजपा-एनसीपी गठबंधन को पवार की मंजूरी थी: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि वह अपने दावे पर कायम हैं कि नवंबर 2019 में उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार के साथ जो सरकार बनाई थी, उसे राकांपा मुखिया शरद पवार का समर्थन प्राप्त था। फडणवीस ने कहा कि उनका बयान 100 फीसदी सच है और वह झूठ नहीं बोल रहे हैं। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आज की जा रही बातों पर नहीं बोलूंगा लेकिन समय आने पर इस पर जरूर बोलूंगा और अभी समय नहीं आया है। कुछ समय पहले फडणवीस ने कहा था कि अजित पवार के साथ बनाई गई सरकार को शरद पवार ने अपनी सहमति दी थी और सबकुछ उनकी जानकारी में हुआ था। कसबा-चिंचवड़ उपचुनाव को लेकर फडणवीस ने पुणे में बैठक की। इस बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने उक्त बातें कही। फडणवीस ने कहा कि 2019 में उन्हें मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह रचा गया।

आदिवासी समाज का हित मेरे लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय, आदि महोत्सव एक भारत-श्रेष्ठ भारत का स्वरूप : प्रधानमंत्री

आदिवासी समाज से दुनिया को सीखने की जरूरत : मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली की मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आदि महोत्सव की शुरुआत की। इस मौके पर जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उनके साथ रहे। पीएम मोदी ने यहां स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आदि महोत्सव देश की व्यवस्था की पहचान है। उन्होंने कहा कि हाशिए पर पड़े लोगों को मुख्यधारा में हम लाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को लेकर देश गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है। आदिवासी जीवनसैली ने बहुत कुछ सिखाया है। यहां की परंपरा से भी हम बहुत कुछ सीखते हैं। आदि महोत्सव एक भारत-श्रेष्ठ भारत का स्वरूप है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह महोत्सव अब एक अभियान बन गया है। आदिवासी परंपरा को गौरव के साथ हम प्रस्तुत कर रहे हैं। साथ-साथ मोदी ने यह भी कहा है कि आदिवासी समाज से दुनिया को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

आदि महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए मोदी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि जैसे भारत की अनेकता और भव्यता आज एक साथ खड़ी हो गई हैं। यह भारत के उस अनंत आकाश की तरह है जिसमें उसकी विविधताएं इंद्रधनुष की तरह उभर कर सामने आ जाती हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह अनंत विवधिताएं हमें एक भारत-श्रेष्ठ भारत के सूत्र में पिरोती हैं। पीएम ने कहा कि उनके उत्पादों के माध्यम से विभिन्न कलाओं, कलाकृतियों, संगीत और सांस्कृतिक प्रदर्शन को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे लगता है कि भारत की विविधता और इसकी भव्यता एक साथ आ गई है और आज इसकी परंपरा को उजागर कर रही है। उन्होंने कहा कि जब विविधताओं को एक भारत-श्रेष्ठ भारत के धागे में पिरोया

जाता है, तो भारत की भव्यता दुनिया के सामने उभरती है। यह आदि महोत्सव इसी भावना का प्रतीक है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह महोत्सव विकास और विरासत के विचार को और अधिक जीवंत बना रहा है। जो पहले खुद को दूर-सुदूर समझता था अब सरकार उसके द्वार जा रही है, उसको मुख्यधारा में ला रही है। आदिवासी समाज का हित मेरे लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का नया भारत सबका साथ सबका विकास के दर्शन पर काम कर रहा है। सरकार उन लोगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, जिनसे लंबे समय से संपर्क नहीं हो पाया है। मोदी ने कहा कि मैंने देश के कोने कोने में आदिवासी समाज और परिवार के साथ अनेक सप्ताह बिताए हैं। मैंने आपकी परंपराओं को करीब से देखा भी है, उनसे सीखा भी है और उनको जिया भी है। आदिवासियों की जीवनशैली ने मुझे देश की विरासत और परंपराओं के बारे में बहुत कुछ सिखाया है। आपके बीच आकर मुझमें अपनों से जुड़ने का भाव आता है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज वैश्विक मंचों से भारत आदिवासी परंपरा को अपनी विरासत और गौरव के रूप में प्रस्तुत करता है। आज भारत विश्व को बताता है कि अगर आपको जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों का समाधान चाहिए तो हमारे आदिवासियों की जीवन परंपरा देख लीजिए... आपको रास्ता मिल जाएगा।

उन्होंने कहा कि हम कैसे प्रकृति से संसाधन लेकर भी उसका संरक्षण कर सकते हैं इसकी प्रेरणा हमें हमारे आदिवासी समाज से मिलती है। भारत के जनजातीय समाज द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है और ये विदेशों में निर्यात किए जा रहे हैं। 80 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप आज अलग-अलग राज्यों में काम कर रहे हैं जिसमें सवा करोड़ से ज्यादा सदस्य हमारे जनजातीय भाई-बहन हैं और इनमें भी बड़ी संख्या हमारी माताओं-बहनों की है।

आदिवासी युवाओं को भाषा की बाधा के कारण बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता था लेकिन अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई का विकल्प भी खोल दिया गया है। अब हमारे आदिवासी बच्चे, आदिवासी युवा अपनी भाषा में पढ़ सकेंगे, आगे बढ़ सकेंगे।

उन्होंने कहा कि देश जब आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को अपनी प्राथमिकता देता है, तो प्रगति के रास्ते अपने आप खुल जाते हैं। हमारी सरकार में वंचितों को वरीयता के मंत्र को लेकर, देश विकास के नए आयाम को छू रहा है। आदिवासी क्षेत्रों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जा रहा है। देश के हजारों गांव जो पहले वामपंथी उग्रवाद से ग्रसित थे उन्हें 4जी कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। यहां के युवा अब इंटरनेट और इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए मुख्यधारा से कनेक्ट हो रहे हैं।

आदि महोत्सव में जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा, पीएम मोदी के सहकार से समृद्धि ने देश भर के 1.17 लाख गांवों में रहने वाली जनजातियों के विकास को आगे बढ़ाया है। आदि महोत्सव इन जनजातियों और उनके उत्पादों को देश से जोड़ेगा। इस कार्यक्रम में झारखंड के मांडर विधानसभा की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर भी शामिल हुईं।

अमीर बनाने वाला जादू छोटे व्यापारों पर क्यों नहीं चलाया : राहुल गांधी

- **पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर किया कटाक्ष**

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए गुरुवार को आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के 'मित्रकाल' में 76 प्रतिशत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को कोई मुनाफा नहीं हुआ है। उन्होंने कारोबारी दिग्गज गौतम अदाणी का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि एक 'मित्र' को दुनिया का दूसरा सबसे अमीर बनाने वाला 'जादू' छोटे व्यापारियों पर क्यों नहीं चलाया गया?

राहुल गांधी ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''मित्र काल की कहानी: 76 प्रतिशत एमएसएमई को कोई मुनाफ़ा नहीं, 72 प्रतिशत की आमदनी स्थिर रही, घटी, या ख़त्म। 62 प्रतिशत को बजट से सिर्फ़ निराशा मिली।''

कांग्रेस ने गुरुवार को कहा है कि अदाणी मुद्दे की गहन जांच जरूरी है। इस मामले में जेपीसी के अलावा कोई अन्य समिति समूह को दोषमुक्त करार देने के अलावा और कुछ नहीं होगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार की ओर से समिति गठित करने के लिए उच्चतम न्यायालय के समक्ष रखे गए प्रस्ताव से पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो सकती। उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने 13 फरवरी को अडाणी-हिंडनबर्ग मामले पर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए विशेषज्ञों की एक समिति बनाने पर चर्चा की थी जो अमेरिकी कंपनी की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद नियामकीय व्यवस्था की जांच करेगी। उन्होंने कहा, जहां आरोप सत्तारूढ़ दल, भारत सरकार और अदाणी समूह से परस्पर जुड़े हुए हैं, वहां सरकार की ओर से प्रस्तावित एक समिति के गठन से पारदर्शिता की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह दो प्रमुख तत्वों सरकार और अदाणी समूह की ओर से वास्तविक जांच से बचने और तथ्यों को दफन करने के लिए शुरू की गई कवायद है। यह स्पष्ट हो रहा है कि प्रस्तावित समिति सत्तारूढ़ शासन के साथ अदाणी समूह के संबंधों की किसी भी वास्तविक जांच को रोकने के लिए इन निहित स्वार्थी तत्वों की ओर से की गई सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध अभ्यास का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया, अगर प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की जवाबदेही तय होती है जेपीसी के अलावा कोई अन्य समिति और कुछ नहीं बल्कि वैधता और दोषमुक्त करने की कवायद भर होगी।

कांग्रेस विधायक ने पायलट को नेतृत्व देने की मांग की

जयपुर। राजस्थान में सचिन पायलट गुट बनाम अशोक गहलोत गुट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। राजस्थान में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि कांग्रेस लगातार परिस्थितियों को संभालने में जुटी हुई है। लगभग 2 सालों से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सचिन पायलट आमने-सामने हैं। इन सब के बीच एक बार फिर से कांग्रेस के एक विधायक ने सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर दी है। इतना ही नहीं, कांग्रेस के विधायक ने दावा किया है कि अगर राज्य में सचिन पायलट को नेतृत्व दिया जाता है तो 100% पार्टी एक बार फिर से यहां सरकार बनाने में कामयाब होगी। कांग्रेस के इस विधायक का नाम वेद प्रकाश सोलंकी है। वेद प्रकाश सोलंकी सचिन पायलट गुट के बताए जाते हैं। अपने बयान में वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा कि अगर सचिन पायलट को नेतृत्व देते हैं तो 100% सत्ता रिपीट होती है। जनता अगर ये चाहती है तो होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं तो बार-बार कह रहा हूं कि राजस्थान की जनता और युवा चाहती है कि सचिन पायलट अगर कांग्रेस का चेहरा होते तो सरकार दोबारा बन सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस विधायक ने कहा कि मैं सचिन पायलट के साथ हूं अगर वो नहीं होते तो मैं चुनाव नहीं जीतता। इससे पहले कांग्रेस के एक विधायक और विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा ने सचिन पायलट को लेकर कहा था कि यह हाईकमान पर निर्भर है, मेरे पास इसका जवाब नहीं है कि वह (सीएम) बनेंगे या नहीं।

खेल
प्रमुख समाचार

बीसीसीआई के सामने कुछ नहीं कर पाएगा आईसीसी : अफरीदी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान के आलराउंडर शाहिद अफरीदी को लगता है कि जहां तक उनके देश में 2023 एशिया कप की मेजबानी का संबंध है तो आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) भी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के सामने कुछ भी नहीं कर पाएगा। बीसीसीआई ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया। जिससे इस साल के अंत में पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी पर संदेह बन गया है। यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से ठीक पहले होना है।

पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई में इस टूर्नामेंट के बहिष्कार करने की धमकी दी है। अफरीदी ने कहा, मुझे नहीं पता, क्या भारत एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगा या नहीं? क्या हम भारत में होने वाले वनडे विश्व कप का बहिष्कार करेंगे? लेकिन हमें कभी न कभी इस पर फैसला करना होगा। उन्होंने कहा, इस मामले में आईसीसी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, उन्हें आगे आना चाहिए। लेकिन मैं साथ ही कहना चाहता हूं कि आईसीसी भी बीसीसीआई के सामने कुछ नहीं कर पाएगा। अफरीदी ने कहा कि बीसीसीआई ने खुद को इतना मजबूत बना लिया है, तभी उसका इस तरह का दबदबा बना हुआ है। उन्होंने कहा, अगर कोई अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पा रहा है तो इस तरह का बड़ा फैसला करना आसान नहीं है। उन्हें बहुत सी चीजों को देखना होगा। भारत अगर आंखें दिखा रहा है और इतना मजबूत फैसला कर रहा है तो उन्होंने खुद को इतना मजबूत बना लिया है। अफरीदी ने कहा वे इस तरह की बात कर सकते हैं, वर्ना उनमें इतना साहस नहीं होता। अफरीदी की यह टिप्पणी भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के विवादास्पद मुद्दे पर की गयी टिप्पणी के बाद आई है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

हरे निशान पर बाजार बंद होने में सफल, सेंसेक्स 44 अंक चढ़ा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 44 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 61,319.51 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी भी 20 अंकों की मजबूती के साथ 18,035.85 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को कारोबार के आखिरी सेशन में बाजार दिन के ऊपरी स्तरों से फिसल गया। इंट्राडे में सेंसेक्स 61,682 का लेवल छूकर नीचे आ गया। बाजार में आखिरी सत्र में बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली दिखी। वहीं दूसरी ओर आईटी और रियल एस्टेट सेक्टर के शेयरों में खरीदारी हुई। इससे पहले बुधवार यानी 15 फरवरी को सेंसेक्स 242 अंक मजबूत होकर 61,275 के लेवल पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 85 अंकों की मजबूती के साथ 18,015 पर क्लोज हुआ था।

सरकार ने क्रूड ऑयल एटीएफ और डीजल पर विंडफॉल टैक्स घटाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को देश में उत्पादित क्रूड ऑयल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर लगाने वाला विंडफॉल टैक्स घटा दिया है। सरकार की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में नरमी के कारण लिया गया है। सरकारी आदेश के मुताबिक ऑयल और नेचुरल गैस कॉरपोरेशन जैसी कंपनियों की ओर से उत्पादित क्रूड ऑयल पर लगने वाला टैक्स 5050 रुपये प्रति टन से घटाकर 4350 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। डीजल पर लगने वाले टैक्स को 7.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। पेट्रोल पर पहले की तरह कोई अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी देय नहीं होगा। टैक्स की नई दरें 16 फरवरी से लागू हो गई है।

डीबी पावर के अधिग्रहण की डील अब नहीं होगी: अदाणी ग्रुप

नई दिल्ली। गौतम अदाणी की अगुवाई वाली अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पावर और डीबी पावर के बीच हुई अधिग्रहण की डील टूट गई है। यह डील 15 फरवरी तक पूरी होनी थी, पर समयसीमा बीत जाने के बावजूद अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पायी। डेडलाइन समाप्त होने के बाद अदाणी समूह ने अब डील के खत्म होने का एलान किया है। अदाणी पावर और डीबी पावर के बीच 18 अगस्त 2022 को अधिग्रहण के लिए डील हुई थी। अब अदाणी समूह ने बुधवार को अपनी एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी है कि उनके बीच हुआ समझौता अब एक्सपायर कर गया है। अदाणी पावर ने डीबी पावर के अधिग्रहण के लिए 7017 करोड़ रुपये की डील की थी। पहले इस डील को पूरा करने की डेडलाइन पहले 31 अक्तूबर थी।

भारत का व्यापार घाटा 12 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। देश के निर्यात और आयात में जनवरी, 2023 में लगातार दूसरे महीने गिरावट रही। इस दौरान व्यापार घाटा भी कम होकर 12 महीने के निचले स्तर 17.75 अरब डॉलर पर आ गया। जनवरी, 2022 में यह आंकड़ा 17.42 अरब डॉलर रहा था। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक, वैश्विक मांग में नरमी से निर्यात जनवरी में 6.58 फीसदी घटकर 32.91 अरब डॉलर रह गया। जनवरी, 2022 में देश से 35.23 अरब डॉलर की वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात हुआ था। आयात भी 3.63 फीसदी घटकर 50.66 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले दिसंबर, 2022 में निर्यात 12.2 फीसदी घटकर 34.48 अरब डॉलर रहा था। 2022-23 के शुरुआती 10 महीने यानी अप्रैल-जनवरी अवधि में देश का कुल वस्तु निर्यात 8.51 फीसदी बढ़कर 369.25 अरब डॉलर पहुंच गया। इस अवधि में 233 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था।

बढ़ते भारत-मिस्र द्विपक्षीय संबंध

डॉ धनंजय त्रिपाठी

दुनिया के अनेक देशों की तरह भारत और मिस्र के बीच ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। आधुनिक समय में गुट-निरपेक्ष आंदोलन में दोनों देशों ने स्थापना के समय से ही शीर्षस्थ भूमिका निभायी थी। मिस्र को अफ्रीका का द्वार माना जाता है और अफ्रीकी देशों से भी हमारे अच्छे रिश्ते रहे हैं। स्वेज नहर वैश्विक सामुद्रिक व्यापार के सबसे अहम रास्तों में से एक है तथा उससे होने वाला यातायात एवं वाणिज्य में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है।

चूंकि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भागीदारी को विस्तार देने के महत्वाकांक्षी अभियान में जुटा है, तो इस लिहाज से भी दोनों देशों के संबंधों का महत्व बहुत अधिक बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि मिस्र अरब जगत में सबसे बड़ा देश है। हाल के आंकड़ों को देखें, तो 2018-19 और 2020-21 के बीच भारत और मिस्र के द्विपक्षीय व्यापार में 65 प्रतिशत से अधिक की बड़ी वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय है कि भारत मिस्र का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और कई क्षेत्रों में वाणिज्य-व्यापार के विस्तार की संभावनाएं हैं। अनेक भारतीय कंपनियां मिस्र में निवेश के लिए इच्छुक हैं, विशेष रूप से रसायन, प्लास्टिक, मैनुफैक्चरिंग, दवा एवं मेडिकल साजो-सामान आदि के क्षेत्र में। व्यापार के अलावा यह भी आयाम अहम है कि हमारे लिए मिस्र का सामरिक एवं कूटनीतिक महत्व भी बहुत अधिक है। पश्चिम एशिया की राजनीति में मिस्र का महत्वपूर्ण स्थान है।

राष्टपति अल-सिसी का गणतंत्र दिवस पर भारत आना इस दिशा में बड़ा कदम है। इससे दोनों देशों के आपसी रिश्तों को तो नयी दिशा मिलेगी ही, साथ ही भविष्य में बहुपक्षीय भागीदारी का भी एक आधार तैयार

होगा। पश्चिम एशिया के हवाले से भारत और मिस्र के अच्छे संबंधों के कुछ अन्य अहम आयाम भी हैं। पाकिस्तान लंबे समय से भारत विरोध के लिए अरब देशों को अपने पाले में लाने की कोशिश करता रहा है, पर जैसे-जैसे हमारे संबंध उन देशों के साथ अच्छे होते जा रहे हैं, पाकिस्तान अलग-थलग पड़ता जा रहा है। उन देशों ने पाकिस्तान को भले सहयोग देने के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया हो, पर वे भारत के साथ संबंधों पर उसका प्रभाव नहीं पड़ने देना चाहते हैं।

भारत ने भी पश्चिम एशिया की आंतरिक राजनीति से अपने को दूर रखा है। भीषण भूकंप से प्रभावित तुर्की और सीरिया को तुरंत मानवीय सहयोग भेजकर भारत ने फिर यह संकेत दिया है कि वह साझा सहयोग और विकास के सिद्धांत पर अग्रसर है। पश्चिम एशिया में इजरायल के साथ भी भारत के गहरे संबंध हैं। पहले अरब देशों के साथ संबंध इजरायल के कारक से प्रभावित होते थे, पर हालिया वर्षों में कई अरब देशों के इजरायल से रिश्ते बेहतर हुए हैं। इसमें तुर्की को भी जोड़ा जा सकता है, जिसका असर पश्चिम एशिया की घटनाओं पर रहता है। मिस्र के संबंध एक ओर सऊदी अरब से अच्छे हैं, तो कतर से भी हैं और इजरायल से भी। अफ्रीका और अरब क्षेत्र में इस्राइल ऐतिहासिक रूप से नेतृत्व की भूमिका में रहा है। इस स्थिति में भारत और मिस्र का निकट आना, दोनों देशों के इस्राइल और खाड़ी देशों से अच्छे संबंध होना नये सहयोगों के लिए व्यापक आधार मुहैया करा सकता है। इस संबंधों के पूरे विकास क्रम को हम भारत की कूटनीतिक सफलता के रूप में भी देख सकते हैं, क्योंकि तमाम भू-राजनीतिक आयामों के बीच इन सभी देशों को एक साथ साधना आसान काम नहीं है। यह विश्व राजनीति में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी इंगित करता है। जैसे-जैसे हमारी अर्थव्यवस्था का विस्तार होता जायेगा, बहुत सारे देशों के साथ भागीदारी बढ़ाने के अवसर बनते जायेंगे। इसके साथ कूटनीतिक प्रयास भी असरदार साबित हो रहे हैं। यह सब सामरिक दृष्टि से भी सकारात्मक हैं।अब तो पाकिस्तान में भी कहा जाने लगा है कि भारत के साथ हुए युद्धों का कोई अर्थ नहीं था तथा वैसी स्थितियां फिर से पैदा नहीं होनी चाहिए। उसे वास्तविकता का अहसास होने लगा है। इसमें पश्चिम एशिया में भारत का बढ़ता प्रभाव भी एक कारक है। मिस्र एवं अन्य अरब देशों के साथ अच्छे संबंध उस क्षेत्र में चीन के विस्तारवाद को संतुलित करने में भी मददगार साबित होंगे।

राजनीति में पिछड़ता भारत का विपक्ष

विपक्ष का विरोध राम मंदिर निर्णय की चिढ़ ?

अजय सेठिया

जस्टिस एस अब्दुल नजीर चार जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए और 12 फरवरी को उन्हें आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बना दिया गया। जस्टिस अब्दुल नजीर उस बेंच में एकमात्र मुस्लिम जज थे, जिसने सर्वसम्मत्ति से रामजन्मभूमि के पक्ष में फैसला दिया था। जस्टिस एस अब्दुल नजीर को राज्यपाल बनाए जाने का विरोध करने हुए सपा नेता अमीक जमी ने कहा कि उनकी नियुक्ति भारत के लोकतंत्र के भविष्य के लिए गलत परंपरा है। एआईएमआईएम के सैयद असीम वकार ने जस्टिस अब्दुल नज़ीर की नियुक्ति पर उनके रामजन्मभूमि पर दिए गए फैसले से जोड़ते हुए सवाल उठाया है। टीएमसी नेता मजीद मेमन ने कहा कि जस्टिस गोगोई के मामले में भी ऐसा पहले हो चुका है, जब उन्हें सांसद नियुक्त किया गया था। कांग्रेस के नेता रशीद अल्वी उन लोगों में सबसे पहले थे, जिन्होंने उन्हें राज्यपाल बनाए जाने के तुरंत बाद एतराज किया, उनके एतराज का बड़ा कारण यह था कि अब्दुल नजीर उस बैंच में शामिल थे, जिसने रामजन्मभूमि के पक्ष में फैसला किया था। कांग्रेस के इस मुस्लिम नेता के एतराज को कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी सही ठहराया, जिससे साफ़ हो गया कि कांग्रेस के एतराज का कारण भी वही है जो रशीद अल्वी का है।

इससे पहले कांग्रेस ने तब भी एतराज किया था, जब अयोध्या के रामजन्मभूमि पर फैसला करने वाली बैंच के प्रमुख चीफ जस्टिस रंजन गोगोई को मोदी सरकार ने राज्यसभा का सदस्य नियुक्त करवाया था। जस्टिस रंजन गोगोई नवंबर 2019 में रिटायर हुए और मार्च 2020 में उन्हें राज्यसभा में नामित कर दिया गया था। कांग्रेस के प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और जयराम रमेश ने अपनी प्रतिक्रिया में सैद्धांतिक तड़का लगाया है, ताकि कांग्रेस को रामजन्मभूमि पर आए फैसले के खिलाफ न मान लिया जाए। जयराम रमेश ने भाजपा के दिवंगत नेता अरुण जेटली के 2013 में दिए गए एक भाषण का हवाला दिया है और अभिषेक मनु सिंघवी ने उनके 2012 में राज्यसभा में दिए गए भाषण का हवाला दिया है। इन दोनों ही भाषणों में अरुण जेटली ने न्यायपालिका की स्वतन्त्रता और गरिमा के लिए जजों के रिटायर होने के बाद दो साल का कुलिंग पीरियड होने की वकालत की थी। 30 सितंबर 2012 में राज्यसभा में दिए भाषण में अरुण जेटली ने कहा था कि दो तरह के जज होते है, एक जो क़ानून जानते है और दूसरे जो क़ानून मंत्री को जानते हैं। जज रिटायर नहीं होना चाहते हैं। रिटायर होने के बाद सरकारी पद पाने की इच्छा रिटायर होने से पहले के जज के फ़ैसलों को प्रभावित करती है, यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए ख़तरा है। इसलिए कम से कम दो साल का कुलिंग पीरियड होना चाहिए। रिटायर होने वाले जजों के कूलिंग ऑफ़ पीरियड को लेकर अन्य मंचों पर भी सवाल उठते रहे हैं। चीफ जस्टिस आरएम लोढ़ा ने अपने रिटायरमेंट के दिन 30 सितंबर 2014 को अपने भाषण में कहा था, जजों को कोई पद स्वीकार करने के लिए दो साल का कूलिंग ऑफ़ पीरियड होना चाहिए। असल में उनकी रिटायरमेंट से कुछ दिन पहले ही पूर्व चीफ जस्टिस पी सदाशिवम को केरल का राज्यपाल बनाया गया था।

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार की नजर अमृतकाल पर है, उन्होंने 'नए भारत' 'सशक्त भारत' की नींव रखी है, जो अपनी स्वाधीनता के सौवें वर्ष 2047 में साकार होगा। हाल ही में प्रस्तुत बजट 'अमृत काल' को सबसे अच्छे ढंग से रेखांकित करता है। सरकार की रणनीतियां एवं योजनाएं भी उसी को केन्द्र में रखकर बन रही हैं। लेकिन बड़ी विडम्बना है कि समूचा विपक्ष अमृतकाल को धुंधलाने में लगा है। अमृत काल को अमृतमय बनाने में विपक्ष की जिम्मेदारपूर्ण भूमिका की अपेक्षा की जा रही है, लेकिन ऐसा होने वाला नहीं दिख रहा है, क्योंकि उसने अपनी दिशाहीनता की स्थिति को ही बार-बार उजागर किया है, बजट सत्र में यह बात स्पष्ट हो गयी है। यह कैसी राजनीति है, यह कैसा विपक्ष की जिम्मेदारियां का प्रदर्शन है, जिसमें अपनी राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के नाम पर नये भारत को निर्मित करने, जनता के हितों एवं अमृतकाल की उपेक्षा की जा रही है।

भारतीय लोकतंत्र के सम्मुख एक ज्वलंत प्रश्न उभर के सामने आया है कि क्या भारतीय राजनीति विपक्ष विहीन हो गई है? विपक्ष पूर्णत: छिन्न-भिन्न होकर इतना कमजोर एवं निस्तेज नजर आ रहा है कि सशक्त या ठोस राजनीतिक विकल्प की संभावनाएं मृत प्राय: लग रही हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष राजनीति ही नहीं, नीति विहीन भी हो गया है? यही कारण है कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर तक पहुंचते हुए राजनीतिक सफर में विपक्ष की इतनी निस्तेज, बदतर एवं विलोपपूर्ण स्थिति कभी नहीं रही। इस तरह का माहौल लोकतंत्र के लिये एक चुनौती एवं विडम्बना है। इस दृष्टि से विचार करें तो भारत में राष्ट्रीय स्तर पर या कई राज्यों में विपक्ष का व्यवहार निराश करने वाला है। विपक्षी दल और नेता भाजपा को पराजित तो करना चाहते हैं, मोदी की लगातार सशक्त होती छवि एवं स्थिति को भी कमजोर करना चाहते हैं पर समझ नहीं पा रहे कि किन मुद्दों को लेकर संघर्ष करें और जनता के बीच जाएं। न उनके पास प्रभावी मुद्दे हैं और न मुद्दों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माद्दा है। भाजपा को ब्राह्मणवादी या दलित-पिछड़ा विरोधी साबित कर स्वयं को इनका झंडाबरदार बताने या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को निशाने पर लेने या अडाणी जैसे उद्योगपतियों पर बेवजह संदेह करने से वे विपक्षी धर्म का पालन नहीं कर पायेंगे। विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री के संबोधन के समय लगातार नारेबाजी करके यही सिद्ध किया कि उनके पास न तो कहने को कुछ सार्थक है और न ही सुनने को। अपने हंगामे के पक्ष में विपक्षी सांसदों के पास कुछ तर्क हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने खीझ पैदा करने वाली अपनी नारेबाजी से प्रधानमंत्री के इस कथन को सही साबित किया कि एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है। एक समय मुसलमानों, ईसाइयों जैसे अल्पसंख्यकों में संघ और भाजपा के विरुद्ध डर पैदा कर उनका ध्रुवीकरण किया जाता था। इन्हें ऊंची जाति का हिमायती बताकर पिछड़ों और दलितों के एक समूह को लुभाया जाता था।

कहां है प्रभावी विपक्ष, कहां है देशहित के मुद्दे। विपक्ष की कोशिश हर हाल में भाजपा, संघ और प्रधानमंत्री को उद्योगपतियों का हितैषी, मुसलमानों-दलितों-आदिवासियों का विरोधी तथा सवर्ण जातियों का समर्थक साबित करने की प्रतीत होती है। क्या इन मुद्दों के आधार पर विपक्ष भाजपा को कमजोर करने में सफल हो पाएगा? यह भारत का दुर्भाग्य है कि वर्तमान विपक्ष का बड़ा समूह अभी भी देश में हो रहे सकारात्मक बदलाव एवं विकास को समझने में विफल है। इस कारण विपक्षी दल एवं उसके नेता राजनीति को वहां ले जाना चाहते हैं जिनसे भारत अब काफी आगे निकल चुका है। गुजरात दंगों पर बीबीसी की रिपोर्ट को हर हाल में दिखाने पर तुले और संपूर्ण विपक्ष द्वारा इसे मुद्दा बनाए जाने के बावजूद गैर मुस्लिमों को तो छोड़िए आम मुसलमान भी भाजपा के विरुद्ध आक्रामक होकर सामने आते नहीं दिखे। बिहार और उत्तर प्रदेश में रामचरितमानस को निचली जातियों का विरोधी बताना क्या है? अब भारत ऐसे संकीर्ण एवं साम्प्रदायिक आग्रहों से, धर्म, जाति, वर्ग, भाषा के विवादों से बाहर आकर विकास पर अपना ध्यान केन्द्रित किये हुए है, देश की जनता और अल्पसंख्यक समुदाय भी विकास चाहते हैं, भारत को शक्तिशाली बनते हुए देखना चाहते हैं। आम जन समझ चुके हैं कि भारत को अगर विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनना है तो उसमें हमारे उद्योगपतियों की अहम भूमिका होगी। इसलिये अडाणी के नाम पर मोदी को दागी बनाने की विपक्ष की कुचेष्ठाओं एवं षड्यंत्रों के तमाम प्रयासों के बाद भी जनता उद्वेलित नहीं है। विपक्ष जनता को यह समझाने में भी नाकाम रहा है कि अदाणी समूह के कारण जनता के हित या सरकारी बैंकों का निवेश खतरे में पड़ गए हैं। अदाणी समूह के मामले को विपक्ष जिस तरह पेश कर रहा है, उससे यदि कुछ स्पष्ट हो रहा है तो यही कि वह सरकार को घेरने के लिए राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद और पेगासस जासूसी प्रकरण की तरह से एक और मामला खोज लाया है। यह मामला भी राफेल और पेगासस की तरह टांय-टांय फिस्स हो गया।

हाल ही बजट-सत्र में मोदी का उद्बोधन विपक्ष पर करारा तमाचा है, मोदी ने बच्चों को पाठ पढ़ाने की मुद्रा में विपक्ष को अनेक नसीहतें दीं, लेकिन यह कहना कठिन है कि विपक्ष प्रधानमंत्री की किसी नसीहत पर ध्यान देगा, लेकिन उन्होंने यह सही कहा कि जितना कीचड़ उछालोगे, उतना ही कमल खिलेगा। विपक्ष को यह आभास हो जाए तो अच्छा कि झूठ के पांव नहीं होते। विपक्ष ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा को जिस तरह अदाणी समूह तक केंद्रित करने की रणनीति बनाई, उसे प्रधानमंत्री ने पहले लोकसभा में नाकाम किया और फिर राज्यसभा में। उन्होंने इस मामले में विपक्ष के सवालों पर सीधे तौर पर कुछ न कहकर यही संदेश दिया कि इस मसले पर सरकार को नहीं घेरा जा सकता। क्योंकि आज हिंदुत्व और हिंदुत्व केंद्रित राष्ट्रवाद के चलते देश की सत्ता और राजनीति में कुछ व्यावहारिक एवं सकारात्मक रूपांतरण आया है। आर्थिक-सामाजिक-सांस्कृतिक विकास तथा रक्षा-सुरक्षा-विज्ञान, शिक्षा-चिकित्सा के मोर्चे पर व्यापक कार्यों से जमीनी यथार्थ भी बदला है, देश सशक्त हुआ है, आतंकवाद एवं हिंसा पर नियंत्रण ने जनता के बीच अमन एवं शांति का वातावरण बनाया है। जम्मू-कश्मीर में हर दिन होने वाली आतंकवादी एवं हिंसा की घटनाएं अब कहां देखने को मिलती हैं? देश में भी बार-बार होने वाले आतंकी हमले, साम्प्रदायिक हिंसा अब कहां हैं? विपक्ष की संकीर्ण राजनीति के अलावा कहीं भी हाहाकार का दृश्य नहीं दिख रहा।

स्वयं राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में सरकार के विरुद्ध कई भाषण दिए, लेकिन कहीं कोई हलचल दिखाई नहीं दी, उनको कहना पड़ा कि देश में शांति है। सच को झूठे तथ्यों और सिद्धांतों के आवरण में ज्यादा दिन तक नहीं ढंका जा सकता। आज नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता पर काबिज है तो इसका कारण यही है कि आम जनता की सोच काफी हद तक बदल चुकी है, वह तोड़ने वाली राजनीति की जगह जोड़ने वाली राजनीति का समर्थन करती है।

बात केवल विपक्ष की ही न हो, बात केवल मोदी को परास्त करने की भी न हो, बल्कि देश की भी हो, अमृतकाल को देश-विकास का माध्यम बनाने की हो, तभी विपक्ष अपनी इस दुर्दशा से उपरत हो सकेगा। वह कुछ नयी संभावनाओं के द्वार खोले, देश-समाज की तमाम समस्याओं के समाधान का रास्ता दिखाए, सुरसा की तरह मुंह फैलाती महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, अस्वास्थ्य, बेरोजगारी और अपराधों पर अंकुश लगाने का रोडमैप प्रस्तुत करे, तो उसकी स्वीकार्यता स्वयंमेय बढ़ जायेगी। व्यापार, अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, महंगाई, ग्रामीण जीवन एवं किसानों की खराब स्थिति की विपक्ष को यदि चिंता है तो इसे दिखना चाहिए। पर विपक्ष केंद्र या राज्य, दोनों ही स्तरों पर सरकार के लिये चुनौती बनने की बजाय केवल खुद को बचाने में लगा हुआ नजर रहा है। वह अपनी अस्मिता की लड़ाई तो लड़ रहा है पर सत्तारुढ़ दल को अपदस्थ करने की दृढ़ इच्छा एवं पात्रता स्वयं में विकसित नहीं कर पा रहा है। कांग्रेस ने भारतीय लोकतन्त्र में धन की महत्ता को 'जन महत्ता' से ऊपर प्रतिष्ठापित किये जाने के गंभीर प्रयास किये, जिसके परिणाम उसे भुगतने पड़ रहे हैं। क्या इन विषम एवं अंधकारमय स्थितियों में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दल कोई रोशनी बन सकते हैं, अमृतकाल में कोई अहम भूमिका निभा सकते हैं, अपनी सार्थक भूमिका के निर्वाह के लिये तत्पर हो सकते हैं? विपक्ष ने मजबूती से अपनी सार्थक एवं प्रभावी भूमिका का निर्वाह नहीं किया तो उसके सामने आगे अंधेरा ही अंधेरा है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

ब्रह्मविद्योपनिषद (भाग-02)

गतांक से आगे...

वह सूर्य के सदृश सम्पूर्ण जगत् को प्रकाशित करने वाला और कल्याणकारी है। जीव (श्वासोच्छ्वास के रूप में) स कार और ह कार (सोऽहं का जप) सर्वदा करता है, इस के प्रभाव से वह जीव नाभिरंध्र से उत्क्रमण करता रहता है और उसे किसी प्रकार के विषय व्याप्त नहीं करता। दुग्ध से (मथकर निकाले गये) घृत की भाँति उस निष्कल (कला रहित), सबके कारण रूप आत्म तत्त्व को प्राण के पाँच आयामों द्वारा जाना जाता है। (देह के पाँचों तत्त्वों में प्राण तत्त्व प्रवाहित होते हैं। इन पाँचों में प्रवाहित प्राण के पाँच आयाम माने गये हैं)। जिस प्रकार मथने वाले दण्ड से दुग्ध को मथा जाता है, उसी प्रकार चार कलाओं से युक्त हृदय में स्थित प्राण तत्त्व को (श्वास-प्रश्वास को) शरीर में भ्रमण कराया जाता है। जब इस (शरीर) में शीघ्रगामी महापक्षी (खग रूपी जीव) विश्राम न करता हुआ निवास करता श्वास रुक जाता है, तब जीव निष्कल (कला रहित) हो जाता है।

ऋषि ने हृदय को चार कलाओं-विभागों वाला कहा है। वर्तमान शरीर विज्ञानी भी इसे बायें एवं दायें ऑरिकल तथा बायें एवं दायें बेन्ट्रिक इन चार भागों में ही बँटा हुआ मानते हैं।

आकाश में स्थित निष्कल तत्त्व का चिन्तन करता हुआ, वह भव-बन्धन से मुक्त हो जाता है। जो पुरुष हृदय में स्थित इस अनाहत ध्वनि युक्त, प्रकाशयुक्त, चिदानन्द हंस को जानता है, वह हंस कहा जाता है। जो ज्ञानी पुरुष रेचक और पूरक को त्याग करके कुम्भक में स्थित होकर प्राण एवं अपान को एक करके मस्तक में प्रतिष्ठित अमृत को ध्यानपूर्वक आदर सहित पीता है तथा जो नाभि के मध्य में दीपक की तरह सुप्रकाशित महादेव पर अमृत का सिंचन करता हुआ हंस-हंस का जप करता है, उसे पृथ्वी पर निवास करते हुए जरा, मरण, रोग आदि विकार नहीं होते तथा वह अणिमादि सिद्धियों विभूतियों का अधिकारी हो जाता है। सोऽहं को उलटने पर हंसः बनता है। हंस उस प्राण रूप जीव को कहा गया है। वह हंस इस परमात्म तत्त्व को लक्ष्य करके सोऽहं मैं वही हूँ यह भाव करता है, तो वह पदार्थगत विकारों से प्रभावित नहीं होता।

जो ज्ञानी पुरुष सदा ही इस (ब्रह्मविद्या) के अभ्यास में लगा रहता है, उसे ईश्वरत्व की प्राप्ति हो जाती है। अनेक पुरुष इसी एक ही पथ के द्वारा नित्य पद को प्राप्त कर चुके हैं।

हंस रूपी विद्यामृत के सदृश नित्यत्व का इस जगत् में और कोई साधन नहीं है। जो ज्ञानी मनुष्य इस हंस नाम की परम पावन परमेश्वरी महाविद्या को प्रदान करता है, उसकी सर्वदा ज्ञानपूर्वक प्रजा के सहित सेवा करनी चाहिए। गुरु जो कुछ शुभ या अशुभ आदेश दे, उसका पालन शिष्य को बिना कुछ विचार किये सन्तोष वृत्ति से सतत करना चाहिए। इस हंस विद्या को गुरु से प्राप्त करके मनुष्य सदा ही गुरु की शुश्रुषा करे। गुरु की सहायता से आत्मा द्वारा आत्मा का साक्षात्कार करके तथा ब्रह्म को निश्चयपूर्वक बुद्धि द्वारा जान करके वर्णाश्रम, जाति आदि के सम्बन्ध एवं वेद तथा शास्त्रों की बातों को नि:संकोच भाव से त्याग कर, गुरु की सदा ही सेवा-शुश्रुषा करे। इसी से मनुष्य का सच्चा कल्याण होता है। गुरु ही स्वयं साक्षात् हरि हैं, कोई और अन्य नहीं, ऐसा श्रुति का कथन है। श्रुति का कथन संशयरहित परमार्थ रूप ही है। श्रुति का विरोध होने पर अन्य और कुछ भी प्रमाण नहीं है। जो बिना प्रमाण होगा, वह अनर्थकारी अर्थात् हानिकारक होगा।

देह में स्थित (चेतना) को सकल (कला या विभागयुक्त) तथा देहरहित (परम चेतना) को निष्कल (कलारहित) जानना चाहिए। आप्त गुरु के उपदेश से ज्ञात होने वाला यह तत्त्व सर्वत्र समभाव से प्रतिष्ठित है। जो ज्ञानी पुरुष हंस-हंस बोलता (सोऽहं साधनारत रहता है, वह ब्रह्मा, विष्णु एवं शिव का कल्याणकारी रूप है। वह गुरु के उपदेश से सर्वतोमुख वाले (सर्वत्र व्याप्त) ब्रह्म को जानने में समर्थ हो सकता है।

क्रमशः...

आजादी के लिए सेना बनाने वाले बलवंत फड़के

भारत को आजाद करवाने के लिए शहादत देने वालों में तेजस्वी क्रांतिकारी वासुदेव बलवंत फड़के एक ऐसा नाम है, जिन्होंने आरामदायक जीवन त्याग कर अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर किए जा रहे अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद की और अंग्रेजी सरकार को हिला कर रख दिया।

उनका कहना था, "भूख से जो लोग मर रहे हैं, उनको मैं कैसे बचा सकता हूं, इस विषय पर अनेक वर्ष मैं सोचता रहा। जिस भूमि का मैं पुत्र हूं, उसी की ये सब संतान हैं। ये लोग अन्नाभाव में भूखे मरते रहें और हम पेट भरते रहें, यह मुझ से देखा नहीं गया। अत- ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध मैने सशस्त्र विद्रोह की घोषणा की।"

वासुदेव बलवंत फड़के ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का संगठन और सशस्त्र सेना का निर्माण करने वाले भारत के सबसे पहले क्रांतिकारी थे। उन्होंने अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़ कर और युवा पत्नी के साथ-साथ नन्ही बालिका का प्रेम भुलाकर ब्रिटिश शासन का अंत करने का बीड़ा उठाया।

4 नवंबर, 1845 को महाराष्ट्र के कोलाबा जिले के शिरढोणे में जन्मे

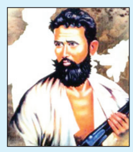

वासुदेव के पिता बलवंत तथा मां सरस्वती बाई एक संपन्न और धनी घराने से थे।

अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए लोगों को जागृत करने का कार्य वासुदेव बलवंत फड़के ने किया। महाराष्ट्र की कोली, भील तथा धांगड जातियों को एकत्र कर उन्होंने 'रामोशी' नामक क्रान्तिकारी संगठन खड़ा किया। इस मुक्ति संग्राम के लिए धन एकत्र करने के लिए उन्होंने अंग्रेजों तथा साहूकारों को लूटा। उन्हें तब विशेष प्रसिद्धि मिली, जब उन्होंने पुणे नगर को कुछ दिनों के लिए अपने नियंत्रण में ले लिया था।

महाराष्ट्र के 7 जिलों में उनकी सेना का जबरदस्त प्रभाव फैल चुका था। 13 मई, 1879 को एक सरकारी भवन में उन्हें लेकर अंग्रेजों की बैठक चल रही थी। वासुदेव फड़के ने साथियों सहित वहां पुहंच कर अंग्रेज अफसरों को मारा तथा भवन को आग लगा दी। उनकी क्रांतिकारी गतिविधियों के सामने अंग्रेजी सरकार थर-थर कांपने लगी और उनकी गिफ्तारी के लिए कई योजनाएं बनीं, लेकिन चतुराई और साहस से वह हर बार उन पर पानी फेर देते।

अंग्रेजों ने उन्हें जिंदा या मुर्दा पकडने पर 50 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया किन्तु दूसरे ही दिन मुम्बई में वासुदेव के हस्ताक्षर से इश्तहार लगा दिए गए कि जो अंग्रेज अफसर 'रिचर्ड' का सिर काटकर लाएगा, उसे 75 हजार रुपए का ईनाम दिया जाएगा। अंग्रेज इससे और भी बौखला गए। पुलिस इनकी तलाश में जगह-जगह छापे मारने लगी। देशद्रोही द्वारा खबर करने पर वासुदेव फड़के 20 जुलाई, 1879 को गिरफ्तार कर लिए गए। उन पर मुकद्दमा चलाया गया।

वासुदेव की लोकप्रियता से अंग्रेज इतना डरते थे कि उन्हें बंदी बनाए जाने के बाद वहां रखने से विद्रोह न भड़क जाए, इसलिए उन्हें आजन्म कालापानी की सजा सुना दी गई। जनवरी 1880 में वासुदेव बलवंत फड़के अदन पहुंचे। वह अदन जेल से भागने में सफल हुए, पर अदन के रास्ते जानते नहीं थे। उन्हें फिर पकड़ लिया गया। जेल में उन्हें क्षय रोग हो गया और उन्होंने 17 फरवरी, 1883 को अदन की ब्रिटिश जेल में प्राण त्याग दिए। आजादी के बाद भारत सरकार ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया।

अमेरिका के आकाश में चीन का स्पाई बैलून

नीरज मनजीत

इन दिनों यूएफओ यानी अन आइडेंटिफाइड ऑब्जेक्ट काफी चर्चा में है। पिछले पखवाड़े अमेरिका और कनाडा के आकाश पर उड़ती चार ऐसी वस्तुओं को वहाँ की आर्मी ने मिसाइल दागकर नष्ट कर दिया। इनमें से एक ऑब्जेक्ट की पहचान चीनी गुब्बारे के रूप में हुई है। यह बैलून अमेरिका के मोंटाना प्रांत के ऊपर उड़ता पाया गया था। इसकी वजह से मोंटाना के ऊपर से उड़नेवाली कई उड़ानों को रोकना पड़ा था। इस संबंध में अमेरिका ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए चीन पर इल्ज़ाम लगाया है कि चीनी प्रशासन ने अमेरिका के सैन्य अड्डों की जासूसी करने की नीयत से यह गुब्बारा भेजा था। अमेरिकी प्रशासन के गुस्से का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस घटना के बाद अमेरिकी विदेशमंत्री टोनी ब्लिंकेन का चीन दौरा रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी अमेरिकी कांग्रेस में अपने भाषण में इसका ज़िक्र करते हुए चीन की आलोचना की थी। ब्लिंकेन का प्रवास रूकने से अमेरिका और चीन के रिश्तों में सुधार लाने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। दरअसल दुनिया के ताक़तवर हलकों की निगाहें ब्लिंकेन के दौरे पर लगी हुई थीं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद ब्लिंकेन के प्रवास की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे और उन्होंने ब्लिंकेन से मुलाक़ात का दिन भी मुक़र्रर कर रखा था।

पिछले एक दशक से चीन और अमेरिका के बीच जबर्दस्त तनातनी चल रही है। ताइवान के आसपास चीनी आर्मी की तैनाती के बाद से यह तनाव चरम पर है। अमेरिका ने चीन को सीधी चेतावनी दे दी थी कि अगर चीनी आर्मी ने ताइवान में हस्तक्षेप किया, तो अमेरिकी सेना जवाबी कार्रवाई करने से नहीं हिचकेगी। इसी के साथ चीन और अमेरिका के बीच ज़बानी जंग भी तेज हो गई थी। इस तनातनी ने वैश्विक बिरादरी को सकते में डाल रखा है। रूस यूक्रेन के बीच चल रही जंग की वजह से वैसे ही दुनिया का हर मुल्क परेशान है। ऐसे हालात में अगर अमेरिका और चीन के बीच युद्ध छिड़ जाता तो एक बड़ी तबाही का मंजर दरपेश होने से इंकार नहीं किया जा सकता था। वैश्विक समुदाय मान रहा था कि ब्लिंकेन के चीन दौरे से भले ही कोई बड़ा नतीजा न निकले, बातचीत का रास्ता तो खुलेगा। मगर इस घटना के बाद यह संभावना काफी हद तक ख़त्म हो गई है।

इस घटना को लेकर शुरू में तो चीन की प्रतिक्रिया काफी रक्षात्मक थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने खेद व्यक्त करते हुए कहा था कि यह बैलून मौसमी बदलावों के अध्ययन के लिए ऊपर भेजा गया था, जो भटकते हुए अमेरिका के एयरस्पेस में चला गया। चीन ने इस बात से पूरी तरह इंकार किया कि यह कोई स्पाई बैलून था। मगर जब अमेरिका ने ब्लिंकेन का दौरा रद्द किया, तो चीन के तेवर बदल गए। और फिर बैलून को मार गिराए जाने और बाइडेन के भाषण के बाद चीन का रुख काफी आक्रामक हो गया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इल्ज़ाम लगाते हुए कहा कि अमेरिका इस घटना को दुनिया के सामने बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है और उसका इरादा चीन को बदनाम करने का है। अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की एक ख़बर से भी चीनी प्रशासन चिढ़ा हुआ है। इस ख़बर के मुताबिक चीन पहले भी ऐसी हरकतें कर चुका है और भारत, जापान, फिलीपींस और वियतनाम के एयरस्पेस में भी चीनी स्पाई बैलून भेजे गए हैं। लैटिन अमेरिका के आकाश में तो हाल में ही बहुत दिनों तक चीनी बैलून लटका देखा गया है। चीन इस ख़बर को भी अपने ख़िलाफ़ अमेरिका के अभियान के हिस्सा बता रहा है।

चीन ने अमेरिका से कहा है कि वह बैलून के टुकड़े उसे वापस करे। अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने ऐसा करने से साफ़ इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि वे पहले बारीक़ी से इन टुकड़ों की जाँच करेंगे, उसके बाद ही कोई फ़ैसला लिया जाएगा। इस घटना के एक हफ़्ते बाद अलास्का और मिशिगन के एयरस्पेस में संदिग्ध यूएफओ देखे जाने से पेंटागन सकते में आ गया है। कनाडा के एयरस्पेस में भी ऐसा ही ऑब्जेक्ट देखा गया। इन तीनों वस्तुओं को मिसाइल दागकर गिरा दिया गया है। अमेरिका और कनाडा मिलकर संजीदगी से पूरे मामले की पड़ताल कर रहे हैं। इस बीच चीनी रक्षा अधिकारियों ने यह कहकर हलचल पैदा कर दी है कि उन्होंने पूर्वी चीन के शेंजोंग इलाके के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी है और अब उसे गिराए जाने की तैयारी चल रही है। इन यूएफओ को देखे जाने के बाद वैश्विक बिरादरी में कहीं-कहीं यह सवाल पूछे जा रहे हैं कि ये कहीं एलियन के स्पेसक्राफ्ट तो नहीं है। पेंटागन ने इसे कोरी अफ़वाह मानकर खारिज कर दिया है। पेंटागन के प्रवक्ता के मुताबिक इनमें एलियंस के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

इन घटनाओं के बाद एक बार फिर अमेरिका और चीन के बीच संदेह के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिका तो चीन पर तीखे इल्ज़ाम लगा ही रहा है, अब चीन भी यह कहने लगा है कि पूर्वी चीन के एयरस्पेस में देखा गया ऑब्जेक्ट अमेरिका ने भेजा है। एक बात तो तय है कि एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी देश जासूसी के नए तरीके ढूंढते रहते है। ऐसा सदियों से हो रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों से लैस सभी प्रमुख देशों के जासूसी संस्थान प्रतिस्पर्धी देशों की टोह लेते रहते हैं। अमेरिका की संस्था सीआईए, रूस की केजीबी, भारत की रा, इज़राइल की मोसाद, पाकिस्तान की आईएसआई ऐसी ही जासूसी संस्थाएं हैं। चीन भी इस मामले में पीछे नहीं है। उसकी जासूसी संस्था सेंट्रल एक्सर्नल लेजां डिपार्टमेंट काफी ताक़तवर और ख़तरनाक मानी जाती है। इन संस्थाओं का काम काफी गुप्त होता है और कोई भी देश हक़ीक़त को सामने नहीं आने देता। अत: यह तय कि इन घटनाओं की वास्तविकता कभी मालूम नहीं होगी।

गांधी आज

रामराज्य (भाग-अंतिम)

गतांक से आगे...

उसमें सब धर्म, सब वर्ण और सब वर्ग समान भाव से मिलजुलकर रहेंगे और धार्मिक झगड़े या क्षुद्र स्पर्धा, अथवा विरोधी-स्वार्थ सरीखी चीज ही न होगी। उस राज्य में स्त्री का पद पुरुष के समान ही होना चाहिए। उसमें कोई मनुष्य संपत्ति या आलस्य के कारण निरुद्यमी न होगा. कोई मेहनत करते हुए भी भूखों मरनेवाला न होगा, किसी को उद्यम के अभाव में मजबूरन आलसी न बने रहना पड़ेगा। उसमें आंतरिक कलह न होगा, और न विदेशों के साथ ही लड़ाई होगी। उसमें दूसरे देशों को लूटने की, जीतने की या उनके व्यापार-धंधे अथवा नीति को नाश करनेवाली राजनीति अस्वीकृत होनी चाहिए। वह दूसरे । राष्ट्रों के साथ मित्र भाव से रहेगा। अत: रामराज्य में फौजी खर्च कम से कम होना चाहिए। उसमें लोग केवल लिख-पढ़ सकनेवाले ही न होंगे बल्कि सच्चे अर्थ में शिक्षा पाए हुए होंगे; अर्थात् उन्हें ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए जो मुक्ति देनेवाली और मुक्ति में स्थिर रखनेवाली हो। यह एक ही देश या जनता के लिए नहीं बल्कि सारी दुनिया के उत्तम राज्य का आदर्श है। यदि एक जगह भी यह सिद्ध हो जाय तो फिर उसकी छूत सारी दुनिया में फैल जानी चाहिए। यह स्थिति आने पर भिन्न-भिन्न राज्यों में झगड़े का कारण ही न रहेगा। अर्थात् युद्ध जैसी चीज ही न रह सकेगी। सारे मतभेद, विरोध, झगड़े अहिंसक मार्ग से ही निपटा करेंगे।

अनाधिकृत निर्माण हुए नियमित

मुख्यमंत्री के निर्देश पर नियमों के सरल होने के बाद आसान हुआ नियमितिकरण

रायपुर। घरों और प्लाटों पर अनाधिकृत तरीके से बनाएं गये भाग के नियमितिकरण की सुविधा लोगों को अब आसानी से मिलने लगी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर नियमों के सरल होने के बाद आज रायपुर जिले के एक हजार 535 ऐसे अनाधिकृत निर्माण कार्य आज नियमित हुए है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे की अध्यक्षता में आज नियमितिकरण प्राधिकार समिति की बैठक में रायपुर नगर-निगम क्षेत्र के एक हजार 330, बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के 126 प्रकरणों में अनाधिकृत निर्माणों को नियमित कर दिया गया। इसी तरह नया रायपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के 36 और ग्रामीण क्षेत्रों में नगर पंचायतों की सीमा के 43 अनाधिकृत निर्माण कार्य भी आज की बैठक में नियमित करने के लिए अनुमोदित किए गए। आज की बैठक में नियमित किए गए प्रकरणों में से रायपुर नगर निगम क्षेत्र में सबसे अधिक एक हजार 40 प्रकरण आवासीय और 290 गैर आवासीय अनाधिकृत निर्माण के है। इस बैठक में नगर-निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी सहित रायपुर नगर-निगम के सभी जोनों के जोन कमिश्नर, बीरगावं नगर निगम के आयुक्त श्री कीर्तिमान राठौर सहित अपर कलेक्टर श्री बी.बी पंचभाई भी शामिल हुए।

कलेक्ट्रोरेट सभाकक्ष में आज हुई बैठक में जिले में अनाधिकृत निर्माण कार्यों को नियमित करने पर निकायवार- जोनवार विचार किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास के नियमितिकरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रकरणों पर विचार करते हुए नियमितिकरण की मंजूरी दी गई। आज बैठक में नगर-निगम रायपुर के जोन एक में 203, जोन दो में 60, जोन तीन में 86, जोन चार में 52, जोन पांच में 150, जोन छह में 184, जोन सात में 92, जोन आठ में 125, जोन नौ में 174 तथा जोन दस में 204 प्रकरणों में अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने का अनुमोदन किया गया।

कलेक्टर ने की अपील अपने अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने अधिक से अधिक लोग करें आवेदन -* कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों के निवासियों से अपने घरों या दुकानों में अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि प्रशासन ने इसके नियमों को बहुत सरल कर दिया है। अब लोग आसानी से आवेदन देकर निर्धारित शुल्क जमाकर अपनी अनाधिकृत निर्माण को नियमित करा सकते है। उन्होंने यह भी बताया कि अब नये नियमों के तहत ही आवेदन लिए जा रहे है। इसके लिए संबंधित नगर-निगम या नगरपालिका परिषद् के कार्यालय में आवेदन किया जा सकता है। निगम या पालिका की सीमा के बाहर निवेश क्षेत्र के अन्दर के अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने के लिए नगर निवेश कार्यालय में आवेदन जमा होंगें। कलेक्टर ने यह भी बताया कि आवेदक को आवेदन के साथ मकान के कागजात, मकान के फोटोग्राफ्स, मकान का आर्किटेक्ट द्वारा बनाए गए नक्शा और संपत्ति कर या बिजली बिल की रसीद भी संलग्न करनी होगी।

जिले में अवैध तरीके से आवासीय और गैर आवासीय भवनों और निर्माण के नियमितीकरण की प्रक्रिया अब और तेज होगी। आज की बैठक में कलेक्टर ने नियमितीकरण के प्राप्त आवेदनों पर सभी प्रभारी अधिकारी से चर्चा कर नियमितीकरण के प्रकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जोन के सभी वार्डों के कमर्शियल एवं आवासीय प्रॉपर्टी की जानकारी लेकर नियमितीकरण के संबंध में नोटिस देने कहा। कलेक्टर ने प्रतिमाह 15 तारीख को अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण प्राधिकार समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। हर बैठक में पिछले माह में प्राप्त नियमितीकरण के सभी प्रकरणों का जोन स्तर पर जमीन के दस्तावेजों का सूक्ष्मता से जांच कर अनुशंसा सहित प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए। इसी तरह जिले के सभी नगरीय निकायों के सीएमओ और अनुविभागीय अधिकारी को नियमितिकरण की कार्यवाही तेजी से समय-सीमा में करने को कहा गया है।

सामुदायिक भागीदारी से समस्या का होता है स्थाई समाधान-कलेक्टर

- समाज हित के लिए बेहतर कार्य कर रहे है यूनिसेफ के वालेंटियर्स

रायगढ़। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में यूनिसेफ द्वारा जन-जागरुकता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा, छत्तीसगढ़ यूनिसेफ चीफ जॉब जकारिया, एसबीसीसी स्पेशलिस्ट अभिषेक सिंह, चाइल्ड प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट चेतना देसाई, वॉश ऑफिसर विराजा सत्यपति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य एनएसएस एवं नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवकों का आगामी कार्ययोजना से संबंधित बैठक एवं मुलाकात करना था।

इस मौके पर कलेक्टर सिन्हा ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज की किसी भी समस्या का सामुदायिक भागीदारी से स्थाई समाधान किया जा सकता है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा की छत्तीसगढ़ के मानपुर मोहला जनजाति क्षेत्र में एनीमिया, कुपोषण के मामले अधिक थे, वहां आज स्थिति बेहतर है। जिसका कारण वहां की सामूहिक भागीदारी है। जिसमें मितानिन, पंचायत प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिला स्व-सहायता समूह एवं स्थानीय लोग शामिल थे। कुपोषण हटाने के लिए मात्र चना, गुड, तिल के लड्डू जैसे स्थानीय खाद्य पदार्थों का प्राथमिकता से सेवन करवाया गया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को दिन में नियत समय पर भोजन करने के लिए प्रेरित किया गया। मितानिनों द्वारा मलेरिया से बचाव हेतु मच्छरदानी लगाने के लिए एवं आयरन गोली सेवन के लिए सिटी बजा कर याद दिलायी जाती थी। यही सामूहिक सहभागिता से कार्य को सफल बनाती है। आज हमारी युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा संवेदनशील है, हमें उन पर फोकस करने की आवश्यकता है। उनको डायवर्ट कर उनको अच्छे कार्यों में सदुपयोग करें। युवाओं को मोटिवेट करके उनके लिए मास्टर ट्रेनर बनने का कार्य करें। शासन द्वारा राजीव युवा मितान क्लब संचालित किया गया है, जिसमें एक निश्चित राशि दिया जा रहा है। इनके द्वारा संचालित एक्टिविटी में भाग लेकर पर्सनालिटी डेव्लपमेन्ट करें। उन्होंने कहा की एनएसएस द्वारा साक्षरता, लेप्रोसी जैसे विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सराहनीय कार्य किया गया है। आगे भी एनएसएस एवं नेहरू युवा केन्द्र द्वारा सामाजिक जागरूकता से संबंधित कार्यों में सहयोग लिया जाएगा।

इस दौरान एनएसएस के वालेंटियर्स द्वारा जिसमें कई सारी गतिविधियां एवं बाल विवाह रोकथाम आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। यूनिसेफ जिला समन्वयक दिव्या राजपूत ने बताया कि रायगढ़ के वालेंटियर्स कोविड़ महामारी के समय से ही काफी सक्रिय है एवं समाज में बदलाव लाने में इनकी अहम भूमिका हमेशा से रही है।

यूनिसेफ के साथ मिलकर ये लोग विगत कई वर्षों से समाज हित के लिए बहुत ही प्रभावशाली तरीके से कार्य करते आ रहे है एवं आगे भी समाज के विकास के लिए ऐसे कार्य करने के लिए अग्रसर रहेंगे। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित एनएसएस, नेहरू युवा केन्द्र के वालेंटियर्स उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बैगा आदिवासी परिवारों को मिला जाति प्रमाण पत्र

बिलासपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार के निर्देश पर राजस्व विभाग से संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष राजस्व शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में तहसील कार्यालय कोटा में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया गया। शिविर में राजीव गांधी आश्रय योजना में 300 हितग्राहियों को पट्टे वितरित किये गये। बैगा आदिवासियों के 37 परिवारों को जाति प्रमाण पत्र सहित शासन की कई योजनाओं से लाभान्वित किया गया। राजस्व मामलों के निराकरण के लिए आयोजित किए जा रहे इन शिविरों के जरिए ग्रामीणों और किसानों को काफी सुविधा एवं राहत मिल रही है।

ओपीएस एवं एनपीएस पर संभागीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

बिलासपुर। ओपीएस एवं एनपीएस पर आज प्रार्थना सभा भवन में कोष एवं लेखा विभाग द्वारा संभाग स्तरीय कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यशाला में ओपीएस एवं एनपीएस का चयन करने पर क्या-क्या लाभ हैं, इससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराया गया। संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्री आर.के. पटेल द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समुचित निराकरण करते हुए उनकी शंकाओं को दूर किया गया। कार्यशाला में संचालक पेंशन एवं भविष्य निधि द्वारा ओपीएस एवं एनपीएस के संबंध में जारी सामान्य प्रश्नोत्तरी से भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पावरपाइंट के माध्यम से अवगत कराया गया।

एयरपोर्ट में आज से शुरू हुआ नाईट लैण्डिंग का काम

बिलासपुर। बिलासा देवीं केंवट एयरपोर्ट चकरभांठा में नाईट लैण्डिंग सुविधा के लिए जरूरी संरचना निर्माण का काम आज से शुरू कर दिया गया। कलेक्टर सौरभ कुमार एवं एविएशन डायरेक्टर एनएन एक्का ने कल निरीक्षण कर आज से काम शुरू करने के सख्त निर्देश दिए थे। बिलासपुर एयरपोर्ट को 3 सीव्हीएफआर से 3 सीआईएफआर में उन्नयन के लिए ये निर्माण कार्य बहुत जरूरी हैं। लगभग 10 करोड़ रूपये के सिविल नेचर के प्रथम चरण का काम आज से ठेकेदार द्वारा शुरू कर दिया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर एन.बीरेन सिंह ने कार्य का शुभारंभ किया। मिट्टी खोदाई का काम शुरू हुआ है। इसका कार्यादेश मंगलवार को मां भगवती कंस्ट्रक्शन को जारी किया गया था। इन कामों के पूर्ण होने पर विमानों की नाईट लैण्डिंग सुविधा के साथ-साथ फ्लाईट कैंसिल होने की समस्या से भी निजात मिलेगी।

राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

रायपुर। राजस्व अधिकारियों की बैठक में आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने जन चौपाल और समय सीमा के आवेदनों का निर्धारित समय में निराकृत करने के निर्देश दिए। डॉ. भुरे ने जमीन से जुड़े सभी अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली और डायवर्सन आदि के प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा में ही निराकृत करने को कहा। कलेक्टर ने राजस्व मामलों और अनाधिकृत निर्माण विकास नियमितीकरण प्रकरणों के निराकरण के लिए शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को सभी लंबित प्रकरणों का भौतिक सत्यापन कर प्राथमिकता क्रम में निपटारा करने और इसकी हर हफ्ते मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु घर-घर तोरण और मंगल पत्रिका वितरण प्रारंभ

रायपुर। श्री धर्मनाथ जिनालय व जिनकुशल सूरी दादाबाड़ी प्रतिष्ठा महोत्सव की शुभ बेला जैसे-जैसे नजदीक आते जा रही है जैन समाज के लोगों में उत्साह और भक्तिभाव बढ़ते जा रहा है। वैसे महोत्सव 23 फरवरी से 4 मार्च तक लेकिन सभी अपने स्तर पर तैयारी में जुटे हुए हैं। हर कार्य के लिए अलग-अलग टीम गठित की गई है। दादाबाड़ी प्रतिष्ठा महोत्सव समिति प्रतिदिन नगर के सभी मंदिरों में जाकर पत्रिका का विमोचन कर रही हैं एवं उनकी समिति पत्रिका का वितरण का कार्य कर रही है ,मंदिर के आस पास की सभी कॉलोनियों एवं शहर के हर घर में तोरण द्वार पर लगवाए जा रहे है, घर-घर मेंहदी, गुड़, मौली आदि मंगलकारी वस्तुए बांटी जा रही है, इस कार्य में जैन समाज की सभी कॉलोनियों की महिला मंडल भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही है। शहर भर में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में जैन समाज को आमंत्रित कर किया गया है। देश भर से भी सामाजिक लोग पहुंचेंगे। पहली बार शहर में इतना बड़ा ऐतिहासिक-धार्मिक आयोजन होने जा रहा है।

श्री ऋषभ देव ट्रस्ट मंडल की ओर से बताया गया कि जैन समाज के रायपुर नगर में लगभग 25 जिनालय है , इन जिनालयो के पास प्रतिदिन प्रभात फेरी करके अलग - अलग कॉलोनी में लोगों को सूचना पहुंचाई जा रही है। प्रतिष्ठा महोत्सव की पत्रिका का मुद्रण अहमदाबाद से हुआ है जिसका प्रथम पेज इतना आकर्षक बना है जैसे मार्बल के पत्थर को घडाई करके लगा दिया गया है, तोरण में अष्ट मंगल बनवाया गया है जो की प्रत्येक घर में शुभ सूचना आने का सूचक है,सोजत से मंगवाई गई मेंहदी हर घर में महिलाओं को बांटी जा रही है ताकि वे सपरिवार इस मंगलकारी आयोजन की शुभ बेला में पधारें। 23 फरवरी से श्री धर्मनाथ जिनालय एवं दादाबाड़ी में और 25 फरवरी से साइंस कॉलेज के प्रांगण में परमात्मा की राज सभा का मंचन होगा ,और इस मंचन में परमात्मा के च्यवन कल्याण, जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक का प्रस्तुतीकरण किया जायेगा। भगवती दीक्षा होगी,इस महोत्सव हेतु अभी से रायपुर के सभी मंदिरों को सजाया जा रहा हैं।

साइंस कॉलेज में 12 एकड़ में राज नगर का काम भी लगभग पूरा होने को है .सुरक्षा हेतु 2000 सीसीटीवी कैमरे लगवाए जा रहे है ,लोगो को महोत्सव के कार्यक्रम में आने जाने में तकलीफ न हो इस हेतु इको फ्रैंडली इलेक्ट्रॉनिक गाडियां लगवाई जा रही है जिससे प्रदुषण भी न हो इसका ध्यान रखा गया है। 2000 गाडियों की विशेष पार्किंग साइंस कॉलेज के पास और एमजी रोड में 700 गाडियों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है जिससे शहर के यातायात में बिलकुल भी अवरोध नहीं होगा ,जैन समाज सदैव शहर के प्रति अपनी जवाबदारी को भली-भांति समझता है और इसलिए प्रभात फेरी प्रात- ही निकली जाती है ,जिसमे किसी भी प्रकार के ध्वनि प्रदूषण फ़ैलाने वाले धुमाल आदि का उपयोग नहीं किया जाता है,मात्र पुराने वाद्य यंत्रों द्वारा परमात्मा का मंगल गान स्वयं गाया जाता है।

प्रभारी सचिव ने किया सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण

बिलासपुर। गृह और वन विभाग के प्रमुख सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने आज कलेक्टर श्री सौरभ कुमार के साथ दौरा कर रतनपुर क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। श्री पिंगुआ ने खंडोबा मंदिर से महामाया चैक खूंटाघाट तक लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में बन रहे निर्माणाधीन सड़क का बारीकी से अवलोकन किया। प्रमुख सचिव ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं उसमें उपयोग किए जा रहे सामग्रियों को भी देखा और अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि 18 करोड़ 36 लाख की लागत से राज्य सरकार की मद से यह सड़क बनाई जा रही है। श्री पिंगुआ ने मां महामाया मंदिर में भी माता का दर्शन किया। इस अवसर पर एसडीएम हरिओम द्विवेदी, ईई बीएल कापसे, एसडीओ उमेश नायक, तहसीलदार शिल्पा भगत भी उपस्थित थीं।

छत्तीसगढ़ योग आयोग की बैठक सम्पन्न

भिलाई। आज दिनांक 14 फरवरी 2023 को छत्तीसगढ़ योग आयोग एवं छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वधान पैरा योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2023 आयोजन हेतु श्री ज्ञानेश शर्मा मान. अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग की अध्यक्षता में धर्मपुरा स्थित आयोग कार्यालय में विशेष बैठक आहूत की गई। पैरा योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2023 का आयोजन राज्य के दिव्यांग जनों को प्रोत्साहित करने एवं उनके मनोबल को बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 19 से 20 फरवरी 2023 को वर्किंग वूमेन हॉस्टल वी आई पी रोड फुंडहर रायपुर कराए जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें राज्य भर से दिव्यांगजन सम्मिलित होंगे। बैठक में विशेष रूप से छत्तीसगढ़ योग आयोग के मान. सदस्य श्री रविंद्र सिंह, श्री गणेश नाथ योगी, श्री राजेश नारा तथा छत्तीसगढ़ योग आयोग के सचिव श्री एम एल पाण्डेय प्रभारी अधिकारी श्री रविकांत कुम्भकार, पैरा योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप कॉर्डिनेटर श्री जयंत भारती, डॉ मृत्युंजय राठौर एम्स रायपुर, श्री भोजेन्द्र साहू, छ. ग. हास्य योग प्रमुख श्री मूलचंद शर्मा, योग साधक श्री छबिराम साहू, श्री सी एल सोनवानी, श्री लच्छू राम साहू, श्रीमती ज्योति साहू सभी योग साधक गण उपस्थित रहे।

लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अगले महीने से लगेंगे शिविर

रायपुर। रायपुर जिले में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए मार्च महीने से ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने शिविरों के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश आज समय सीमा के साप्ताहिक बैठक में दिए। डॉ भुरे ने विभागीय अधिकारियों से उनके विभागों में संचालित कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने जिले में मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मिले आवेदनों, मुख्यमंत्री की घोषणाओं एवं जनसामान्य की मांगों-शिकायतों से संबंधित विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर जल्द से जल्द निराकृत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश छिकारा, नगर निगम आयुक्त श्री मयंक चतुर्वेदी, अतिरिक्त कलेक्टर श्री एन.आर.साहू, अपर कलेक्टर श्री बी.बी.पंचभाई, श्री गजेन्द्र ठाकुर एवं श्री बी.सी.साहू, सभी एस.डी.एम तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। आज यहां कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने मार्च महीने से जिले के ग्रामीण और शहरी इलाकों में लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए क्लस्टर स्तरीय शिविर लगाने के निर्देश दिए। 10 से 12 ग्राम पंचायतों को मिलाकर एक क्लस्टर बनेगा। इसी प्रकार नगर पंचायत और नगर निगम क्षेत्रों में भी शिविर आयोजित होंगे। इन शिविरों में राशन कार्ड बनाने, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड बनाने, श्रम कार्ड बनाने से लेकर लोगों की सभी समस्याओं का यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण इलाकों में हाट बाजार वाले दिन या बुधवार और शुक्रवार को शिविर लगेंगे। नगर पंचायतों में शनिवार को शिविर लगाए जाएगें। कलेक्टर डॉ भुरे ने मार्च माह के पहले सप्ताह से ही शिविरों की कार्य योजना बनाने और तिथिवार समय सारणी तैयार करने के निर्देश सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को दिए है। कलेक्टर ने जनचैपाल और लोकसेवा गांरटी अधिनियम के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने अधिकारियों को निर्देशित किए। समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात कार्यक्रम में की गई घोषणाओं को पूर्णतः अमल में लाने के लिए प्रक्रिया शुरू करने और की गई शिकायतों-मांगों का भी तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्कूली बच्चो का जाति प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने खरोरा के नव निर्मित छात्रावास भवन में पानी निकासी और बाउंड्रवाल निर्माण की व्यवस्था करने कहा। डॉ भुरे ने शहरों तथा ग्रामीण में राशन दुकानों के आबंटन की कार्रवाई शीघ्र करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने आरंग जनपद में मछली पालन के लिए निर्धारित तालाबों की आबंटन प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्थानीय उद्योगों में शासन की नीति के अनुसार अकुशल श्रमिकों से पदों पर शत प्रतिशत स्थानीय लोगो को रोजगार उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश उद्योग विभाग के अधिकारियों सहित अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को दिए।

पारंपरिक हस्तशिल्प की 10 दिवसीय कार्यशाला एर्राकोट में संपन्न

रायपुर। दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर (संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार) एवं संस्कार भारती छत्तीसगढ़ द्वारा बस्तर जिला के ग्राम एर्राकोट विकासखंड तोकापाल में दिनांक 31 जनवरी 2023 से 9 फरवरी 2023 तक पारंपरिक हस्तशिल्प की 10 दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई ।9 फरवरी को प्रातः 11 बजे ग्राम एर्राकोट में आयोजित समापन समारोह में संस्कार भारती छत्तीसगढ़ के क्षेत्र प्रमुख अनिल जोशी बिलासपुर , महामंत्री हेमन्त माहुलीकर कोरबा , लोक कला विधा संयोजक रिखी राम क्षत्रिय भिलाई , सह महामंत्री एवं कार्यशाला समन्वयक डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर रायपुर एवं कार्यशाला सह समन्वयक रामेश्वर केवट चांपा उपस्थित थे ।

इस कार्यशाला में 10 महिला एवं 10 पुरुष प्रशिक्षार्थी 10 दिनों तक ढोकरा शिल्प (बेल मेटल) निर्माण की बारीकियों से अवगत हुए ।

शिल्प निर्माण की प्रक्रिया के दौरान मोम का धागा निकालना , कछुआ ,हिरण, आदिवासी पुरुष - महिला ,सूर्य आदि शिल्प के निर्माण में मोम के धागे से कलाकृतियों पर कलाकारी करना उसके ऊपर मिट्टी का लेप लगाना , प्रत्येक कृति के नीचे पीतल धातु के टुकड़ों को व्यवस्थित जमाना , भट्टी तैयार करके उन कृतियों को उसमें गर्म करना इन सारी प्रक्रियाओं से भी अवगत हुए । उल्लेखनीय है कि पीतल मेटल का गलनांक लगभग 930 डिग्री सेंटीग्रेड होता है ।

योजनाओं का उद्देश्य लक्ष्य प्राप्ति नहीं, जीवन में बदलाव भी दिखनी चाहिए: पिंगुआ

लोगों से फिडबेक लेकर योजनाओं को और बेहतर बनाएं, राजस्व मामलों के सतत् निराकरण पर दिया बल

बिलासपुर। गृह एवं वन विभाग के प्रमुख सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज यहां मंथन सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत केवल लक्ष्य प्राप्त करना ही हमारा उद्देश्य नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन में बदलाव एवं इसके सकारात्मक परिणाम भी नजर आने चाहिए। योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में हितग्राहियों से फिडबेक जरूर लिये जाएं। फिडबेक के आधार पर ही योजनाओं में और बेहतर सुधार किये जा सकेंगे। उन्होंने राजस्व मामलों के निराकरण प्रक्रिया की निरंतरता पर जोर दिया। इसे केवल अभियान तक सीमित नहीं रखे जाने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री सौरभकुमार, एसपी श्री संतोष सिंह, डीएफओ श्री कुमार निशांत, कमिश्नर कुणाल दुदावत सहित जिला स्तरीय तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव के रूप में नियुक्ति के बाद आयोजित प्रथम बैठक में श्री पिंगुआ ने राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की ताजा हालात की प्रगति से अवगत हुए। उन्होंने विभिन्न विभागों की शासन स्तर पर लंबित प्रस्तावों की जानकारी लेकर इनका जल्द समाधान का भरोसा दिलाया। कलेक्टर सौरभ कुमार ने जिले में राज्य सरकार की प्रमुख उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने बिलासपुर शहर में ट्रेफिक पुलिसिंग के लिए अलग से सेट-अप की स्वीकृति एवं जिला कार्यालय के लिए दो डिप्टी कलेक्टर की पदस्थापना का आग्रह किया। शहरी इलाकों जैसे कोटा, मस्तुरी, तखतपुर में मास्टर प्लान की स्वीकृति नहीं मिल पाने के कारण डायवर्सन में आ रही दिक्कतों से अवगत कराया। उन्होंने एयरपोर्ट विकास, अरपा भैंसाझार, अरपा नदी पर निर्मित दो बैराज एवं जल जीवन मिशन की ताजा प्रगति की जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त श्री कुणाल दुदावत ने बताया कि नगर निगम में स्वीकृत सेट-अप के केवल 35 प्रतिशत इंजीनियरों से काम चलाना पड़ रहा है। उन्होंने और इंजीनियरों की पदस्थापना के लिए आग्रह किया। खूंटाघाट से जल आपूर्ति की अमृत मिशन योजना के काम पूर्णता की ओर हैं। उन्होंने गोठान एवं रिपा गतिविधियों की भी जानकारी लेकर इनके सफल क्रियान्वयन के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बैठक में बताया कि नरवा विकास के अच्छे परिणाम आये हैं। जल स्तर रिचार्ज होने के साथ ही लोग खेतों की सिंचाई कर दो फसल उगा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस के महाधिवेशन के लिए खाद्य मंत्री भगत नियुक्त हुए फूड समिति के चेयरमैन

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का महाधिवेशन 24 से 26 फरवरी तक नवा रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। अधिवेशन को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रदेश के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत को फूड समिति का चेयरमैन नियुक्त किया है, एवं फूड समिति में अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की है। प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम ने बधाई देते हुए कहा कि आप बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशानिर्देश जारी कर कार्य को गति प्रदान करें।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी भक्त चरणदास का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बिहार, मणिपुर एवं मिजोरम प्रभारी भक्त चरणदास दिनांक 16 फरवरी 2023 गुरूवार को इंडिगो के नियमित विमान सेवा द्वारा रात्रि 8.25 बजे रायपुर पहुंचेंगे। रात्रि 9 बजे रायपुर आगमन एवं रात्रि विश्राम। दिनांक 17 फरवरी 2023 शुक्रवार को दोपहर 12 बजे राजीव भवन, रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित करेंगे। दोपहर 2.30 बजे रायपुर से भवानीपट्नम, ओडिशा के लिये रवाना होंगे।

भूपेश अपने नेतृत्व को बताएं कि जहां बैठे हैं वह भाजपा का काम है: म्हस्के

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दीपक म्हस्के ने नया रायपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन पर कटाक्ष किया है कि जिस नया रायपुर को भूपेश बघेल ने भाजपा का बिना मतलब का कार्य बताया था, नया रायपुर के निर्माण और उपयोगिता पर सवाल उठाए थे, आज उसी नया रायपुर में कांग्रेस का राष्ट्रीय महाधिवेशन हो रहा है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दीपक म्हस्के ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सवाल किया कि जब आपके नेताओं का जमघट वहां लगेगा, क्या उन्हें भी कहेंगे कि ये मेरा नहीं, भाजपा का किया हुआ कार्य है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दीपक म्हस्के ने कहा कि नया रायपुर निर्माण को लेकर भूपेश बघेल कहते थे कि भाजपा का गैर जरूरी काम है। इसके निर्माण और उपयोगिता के बारे में हमेशा प्रश्न खड़ा किया है। भूपेश बघेल में इतना साहस है तो वे अपने राष्ट्रीय नेताओं से कहें कि यह नया रायपुर कांग्रेस की सरकार ने नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बनाया है।

रक्तपात की राजनीति करने वालों को जनता उखाड़कर फेंकेगी- साव

बस्तर में भाजपा का जंगी प्रदर्शन, रैली निकालकर आईजी दफ्तर का घेराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने बस्तर मुख्यालय जगदलपुर में भाजपा के संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि खून पर राजनीति करने वालों के राज में छत्तीसगढ़ में आज जिस तरह का वातावरण है, उससे छत्तीसगढ़ की जनता इस कांग्रेस पार्टी से नाराज है। कांग्रेस की सरकार से जनता आक्रोशित है।

स्थानीय सीरासार चौक में आज दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आहूत भाजपा के संभाग स्तरीय धरना प्रदर्शन में बस्तर के सभी सात जिलों के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। जहाँ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि बस्तर में हमारे पदाधिकारियों की हत्या की जा रही है। हत्या पर राजनीति की जा रही है। यह सरकार हमारे पदाधिकारियों की हत्या की जांच कराने में तक सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता अब इस सरकार को एक क्षण भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं है। 2003 के पहले जैसी स्थिति है आज कांग्रेस पार्टी की सरकार लोगों को सुरक्षा देने की बजाय उनकी हत्या कराने का षड़यंत्र कर रही है। कानून व्यवस्था चौपट है। हत्या बलात्कार जैसे अपराध हर रोज हो रहे हैं। जनता इस सरकार को उखाड़ कर फेंकने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता अपने साथियों की हत्या के खिलाफ इस सरकार से संघर्ष करने सड़क पर उतर गया है। यह सरकार भाजपा के कार्यकर्ताओं से डर गई है। इस सरकार को अपनी करनी का फल भुगतना ही होगा। भाजपा के कार्यकर्ता तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक की हत्याओं पर राजनीति करने वाली कांग्रेस की सरकार को ठिकाने नहीं लगा देते। भाजपा बस्तर और छत्तीसगढ़ का विकास करने के लिए काम करती है और कांग्रेस छत्तीसगढ़ में रक्तपात की राजनीति कर रही है। इस प्रदेश की और बस्तर की जनता कांग्रेस के मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भाजपा बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में शांति की स्थापना करेगी। विकास करेगी और जिनके सहारे कांग्रेस कायरता पूर्ण षड्यंत्र कर

रही है, भाजपा के नेताओं की हत्या कर आ रही है, उसे लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करके हम बस्तर को विकास और शांति का टापू बनाएंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह संकल्प ले लिया है कि अब किसी भी चुनौती और बड़ी से बड़ी बाधा को पार करके कांग्रेस की सरकार को विदा करना है। आज बस्तर की धरती से भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जो शंखनाद किया है, कांग्रेस की सरकार के खिलाफ जो बिगुल फूंका है, उसकी आवाज छत्तीसगढ़ के कोने-कोने तक पहुंची है। भाजपा का कार्यकर्ता किसी से डरने वाला नहीं है। किसी से झुकने वाला नहीं है। हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस की सरकार का मुकाबला करने के लिए निकल पड़े हैं।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गयी है। झूठ को आधार बना कर सत्ता में बैठी कांग्रेस का असली चेहरा प्रदेश की जनता समझ चुकी है। भाजपा कार्यकर्ताओं की शहादत व्यर्थ नही जायेगी 7 भूपेश बघेल की सरकार को जनता जनार्दन सबक सिखायेगी।

धरना प्रदर्शन को बस्तर संभाग प्रभारी संतोष पाण्डेय, भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप,कांकेर सांसद मोहन मंडावी, पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, पूर्व मंत्री लता उसेंडी, महेश गागड़ा, डॉ.सुभाऊ कश्यप, संतोष बाफना,लच्छूराम कश्यप, श्रीनिवास राव मद्दी, कमलचंद भंजदेव, भोजराज नाग, ओजस्वी मंडावी ने भी संबोधित किया।

भाजपा लाश पर राजनीति कर रही है - कांग्रेस

रायपुर। भाजपा द्वारा अपने तीन कार्यकर्ताओं की नक्सलियों द्वारा की गयी हत्या पर घेराव आंदोलन जैसे कार्यक्रमों पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा लाशों पर राजनीति कर रही है। भाजपा के 15 साल के शासनकाल में 118 से अधिक कार्यकर्ताओं पंचायत प्रतिनिधि से लेकर जिलों तक के पदाधिकारियों की नक्सलियों द्वारा हत्या किया गया था। अकेले झीरम के नरसंहार में 32 नेताओं की निर्मम हत्यायें हुई थी। तब भाजपा के किसी नेता ने कोई आंदोलन नही किया। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केवल राजनैतिक प्रोपोगंडा के लिए भाजपाई गलतबयानी कर रहे हैं। हकीकत यह है कि वर्तमान में बस्तर में नक्सल घटनाओं और शहादत में 80 प्रतिशत से अधिक की कमी आयी है। 2005 में 279 निर्दोष आदिवासियों की शहादत हुई थी, 2006 में 152, 2007 में 142। रमन सिंह के दौरान 15 साल में प्रतिवर्ष औसत 100 से अधिक निर्दोष आदिवासियों मारे जाते रहे। 2022 में यह संख्या घटकर 29 रह गई है।

पत्र को सार्वजनिक करना राजनीतिक चाल

अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर एनआईए के लिए दोहरा मापदंड रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक ने भाजपा नेताओं की हत्या की जांच के लिए एनआईए को चिट्ठी लिखी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस से सवाल किए हैं कि क्या कांग्रेस अब एनआईए पर विश्वास करने लगी है। ऐसे गंभीर व संवेदनशील मामलों पर लिखी चिट्ठी को सार्वजनिक क्यों किया गया? प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या अब उन्हें एनआईए की जांच पर भरोसा हो गया है? इस तरह के पत्र को सार्वजनिक किया जाना यह स्पष्ट करता है कि राज्य सरकार ऐसे गंभीर मामलों पर भी राजनीति कर रही है।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का किया अनावरण

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज जिला मुख्यालय राजनांदगांव के बूढ़ासागर स्थित छत्रपति शिवाजी पार्क में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को 4 करोड़ 70 लाख 47 हजार 988 रूपए के चेक एवं छत्तीसगढ़ अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

कांग्रेस का अधिवेशन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिये गौरव का विषय- मोहन मरकाम

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि कांग्रेस का 85 वां अधिवेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में होने वाला है यह क्षण कांग्रेस के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के लिये भी ऐतिहासिक और गौरव पूर्ण है। कांग्रेस देश का अकेला राजनैतिक संगठन है जिसका गठन आजादी के पहले हुआ था जिसने देश की आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया। कांग्रेस का पहला अधिवेशन स्थापना के तत्काल बाद 1885 में मुंबई में हुआ जिसमें व्योमेशचंद्र बेनर्जी अध्यक्ष बने। कांग्रेस के 40 वें अधिवेशन 1924 में बेलगांव महात्मा गांधी अध्यक्ष बने थे। 46 वे अधिवेशन में 1929 के लाहौर अधिवेशन में पं. ज्वाहर लाल नेहरू अध्यक्ष बने थे तथा कांग्रेस के 52 वें अधिवेशन 1938 में हरिपुर तथा 1939 को त्रिपुरी मध्यप्रदेश के अधिवेशन में नेताजी सुभाषचंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष बने। रायपुर के पहले दिल्ली में कांग्रेस का 84 वां अधिवेशन 2018 में हुआ था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि 28 दिसंबर 1885 को कुछ बुद्धिजीवियों ने भारत के लोगों की जरूरतों उनकी समस्याओं के विमर्श के लिए एक मंच की जरूरत महसूस की जो तत्कालीन हुक्मरानों के समक्ष भारत की जनता की आवाज बन सके सरकार के द्वारा बनाई जा रही नीतियों में भारतीयों की जरूरतों को स्थान दिलवाया जा सके इन्ही

उद्देश्यों को ले कर 17 सदस्यों ने कांग्रेस की स्थापना की जिनमे एओ ह्यूम, दादाभाई नौरोजी, व्योमेश चन्द्र बेनर्जी, दिनशा वाचा प्रमुख थे। कांग्रेस का पहला अधिवेशन व्योमेश चन्द्र बेनर्जी की अध्यक्षता में मुंबई में हुआ। भारतीयों की समस्याओं को उठाने उद्देश्य के लिए गठित की गई कांग्रेस पार्टी बहुत जल्दी ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की मुखर विरोधी बन गयी। गठन से ले कर भारत की आजादी तक कांग्रेस के लगभग 15 मिलियन सदस्य बन गए थे। गुलाम भारत के लोगों में राजनैतिक चेतना जागृत कर उनमें आजाद मुल्क की ललक पैदा करना एक बड़ा कठिन काम था, जब तक लोगो मे आजादी और स्वराज की जरूरत की चेतना जागृत नही होगी अंग्रेजी शासन के खिलाफ कोई भी आंदोलन खड़ा नही हो सकता इस बात को कांग्रेस ने भली भांति समझ लिया था इसीलिए कांग्रेस ने शुरू से ही अपने विरोध के कार्यक्रमो में आम आदमी को जोड़ा और सामूहिक नेतृत्व पर जोर दिया।1915में महात्मा गांधी के भारत आगमन के बाद उन्हें कांग्रेस की अध्यक्षता सौंपी गयी 1919 में गांधी जी कांग्रेस के प्रतीक पुरुष बन गए और इसके बाद कांग्रेस ने देश भर में अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों के खिलाफ जनांदोलनों को खड़ा करना शुरू किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

चौपाटी मामला, हाईकोर्ट ने शासन, नगर निगम से जवाब मांगा

रायपुर। एजुकेशन हब में स्थित अवैध चौपाटी मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत की याचिका में प्रकरण में टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग के साथ ही ठेकेदार को पक्षकार बनाया है, जिस पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य शासन, नगर निगम सहित अन्य सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इससे पहले कोर्ट ने याचिकाकर्ता को गूगल मेप के दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। गौरतलब है कि रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में नगर निगम चौपाटी बना रहा है। भारतीय जनता पार्टी इसका विरोध कर रही है। भाजपा नेताओं ने अवैध चौपाटी के विरोध में धरना प्रदर्शन करने के साथ ही केंद्र सरकार से भी शिकायत की है। भाजपा का मानना है कि साइंस कॉलेज ग्राउंड और रविशंकर यूनिवर्सिटी कैंपस एजुकेशन हब है, यहां चौपाटी बनाना अवैधानिक है। राजेश मूणत और भाजपा के जिलाध्यक्ष जयंती पटेल ने एडवोकेट प्रदीप मिश्रा जयप्रकाश शुक्ला के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चौपाटी निर्माण कार्य रोकने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि रायपुर नगर निगम का मास्टर प्लान 2011 में बना था, जिसे 2021 में एफ्रुव कराया गया है।

जनता को धोखा देने पर भूपेश सहित पूरी कांग्रेस माफी मांगे-अरुण साव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कांग्रेस सरकार द्वारा जन घोषणा पत्र के वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि हम लगातार यह कह रहे हैं कि राज्य की भूपेश बघेल सरकार कांग्रेस का जन घोषणा पत्र अंगीकार करने के बावजूद कोई भी वादे, कोई भी घोषणाएं पूरी नहीं कर रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश बघेल सरकार ने छत्तीसगढ़ की जनता को, छत्तीसगढ़ के हर वर्ग को धोखा देने का काम किया है। वरिष्ठ मंत्री टीएस सिंहदेव जो जन घोषणा समिति के अध्यक्ष रहे हैं, उन्होंने यह स्वीकार किया है कि वह घोषणाएं पूरी नहीं कर पाए।अब जब घोषणा समिति के अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया है कि वादे पूरे नहीं किए गए हैं तो भूपेश बघेल जी को और समूची कांग्रेस पार्टी को छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगनी चाहिए और खेद प्रकट करना चाहिए कि छत्तीसगढ़ की जनता के साथ उन्होंने धोखा किया है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का अधिवेशन हो रहा है। उनके राष्ट्रीय नेता आएंगे। कांग्रेस के सभी केंद्रीय नेताओं को भी छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगना चाहिए।

केंद्र की जांच एजेंसियों पर कांग्रेस का विश्वास जागृत हुआ-राजेश मूणत

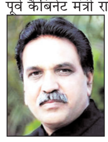

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रवक्ता व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने राज्य के पुलिस प्रमुख द्वारा बस्तर में भाजपा नेताओं की हत्या के मामले की एनआईए जांच के लिए पत्र लिखे जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि पहले कांग्रेस एनआईए की जांच पर प्रश्नचिन्ह लगाती थी। यदि कांग्रेस को झीरम घाटी में शहीद हुए अपने नेताओं के प्रति श्रद्धा है तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल झीरम घाटी से जुड़े दस्तावेज सार्वजानिक करें। भाजपा प्रवक्ता पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने मुख्यमंत्री से कहा कि चलिए, कम से कम आपको केंद्र की एजेंसियों पर विश्वास जागृत तो हुआ। यही कांग्रेस एनआईए पर प्रश्नवाचक चिन्ह लगा रही थी। झीरम घाटी हत्याकांड पर भूपेश बघेल कहते थे कि झीरम हत्या कांड के दस्तावेज मेरे पास हैं। मैं कांग्रेस पार्टी के आग्रह करता हूं, छत्तीसगढ़ अधिवेशन में आ रहे कांग्रेस नेताओं से आग्रह करता हूं। मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि झीरम के दस्तावेज सार्वजनिक करें। वरना कांग्रेस लाशों के ऊपर राजनीति करना बंद करे। आज भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याएं हुई हैं तो एनआईए की जांच की बात कर रहे हैं।

मोदी सरकार और भाजपा का रवैया छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़िया हितों के खिलाफ़ है

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि हमारा प्रदेश सीमेंट और स्टील के उत्पादन में अग्रणी राज्य है। कोयला, आयरनओर और बॉक्साइट जैसे खनिज प्रचुर मात्रा में है जिसका दोहन केंद्र सरकार और उसके उपक्रम करते हैं। देश में जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद वेट जैसे टैक्स खत्म हो गए जो राज्य की आय का प्रमुख स्रोत हुआ करते थे। वाणिज्य कर (वेट) के स्थान पर जीएसटी लगाए जाने से उत्पादक राज्यों को मिलने वाले राजस्व में भारी नुकसान सर्वविदित है। जीएसटी लागू करने के समय यह भी तय किया गया था कि उत्पादक राज्यों को होने वाले हैं राजस्व की भरपाई के लिए राज्यों को 5 साल के लिए क्षतिपूर्ति दी जाए और इसकी भरपाई जीएसटी शेष के जरिए हो। उक्त 5 साल की अवधि 30 जून 2022 को खत्म होने पर एक जुलाई 2022 से राज्यों को क्षतिपूर्ति देना तो केंद्र की मोदी सरकार ने बंद कर दिया लेकिन उस क्षतिपूर्ति की व्यवस्था के लिए केंद्र द्वारा लगाए जाने वाले सेस की वसूली पुनः आगामी पौने 5 साल अर्थात 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए बढ़ा दिया गया। एक तरफ जब केंद्र की मोदी सरकार ने जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस की वसूली 2027 तक बढ़ाई है तो फिर उत्पादक राज्यों को होने वाली है क्षति की पूर्ति बंद कर अन्याय क्यों?

भाजपा को बेटी बचाओ के जगह बेटी के आरोपी को बचाओ का नारा देना चाहिए - वंदना राजपूत

रायपुर। भाजपा के विधायक रंजना साहू के बयान पर पलटवार करते हुए प्रदेश प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि रंजना साहू के याददास्त शायद कमजोर हो गई है। इसलिये पूर्ववर्ती भाजपा के शासन में महिलाओं , बच्चियों के साथ कितना अत्याचार, अनाचार , बलात्कार की घटनाएं हुई थी भूल गई है लेकिन छत्तीसगढ़ के जनता भूल नहीं पाई है। .रंजना साहू को वास्तविकता मे महिलाओं की चिंता है तो विधानसभा प्रतिपक्ष नेता नारायण चंदेल के बेटे पलाश चंदेल के ऊपर रेप का आरोप है उसे सामने लाये क्यों भाजपा नेता बलात्कारी आरोपी को संरक्षण देने का काम भाजपा के नेता कर रहे है.बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा का नाम बदलकर बेटी के बलात्कारियों को बचाओं का नारा भाजपा के नेताओं को देना चाहिए।. प्रधानमंत्री के गृह राज्य में भी तो बेटी के गैंग रेप के आरोपी को संरक्षण दिया जा रहा है। वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा शासन मे झलियामारी कांड में छोटे छोटे बच्चियों के साथ हृदय विदारक घटना छत्तीसगढ़ के माथे पर कलंक लग गया। पूर्ववर्ती मुख्य मंत्री रमन सिंह के ओएसडी ओ.पी.गुप्ता के द्वारा एक नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार करता है और उस आरोपी को संरक्षण देने का काम भाजपा के नेता करते है।

डॉ.रमन की वजह से छग को हो रहा है सालाना 6 हजार करोड़ का नुकसान-भूपेश

रायपुर। जीएसटी को लेकर छत्तीसगढ़ व केन्द्र सरकार के बीच तकरार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। विभागीय मंत्री के साथ स्वंय मुख्यमंत्री लगातार इस मामले पर केन्द्र को घेरते रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस बार पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को निशाने पर लिया है। उन्होंने रमन सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने जबरदस्ती जीएसटी को स्वीकार कर लिया। इसकी वजह से प्रदेश को हर साल 6 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुरुवार सोशल मीडिया पर लिखा, ट्रबल इंजन ने 2017 में केंद्र सरकार के दबाव में जीएसटी

बिल पर ऐसी शर्तों के तहत स्वीकृति दे दी। जो पूरी तरह राज्य के हितों के विरुद्ध थी। उसका दुष्परिणाम है कि राज्य को 6000 करोड़ प्रतिवर्ष की क्षति हो रही है। रमन सरकार का यह अपराध क्षमायोग्य नहीं है, जनता कभी माफ नहीं करेगी।मुख्यमंत्री ने कहा, रमन सिंह की नाकामी के चलते हर साल छह हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है। जबरदस्ती उन्होंने जीएसटी को स्वीकार कर लिया। 2022 के बाद से जो जीएसटी की क्षतिपूर्ति है वह हमें मिलना नहीं है। रमन सिंह को छत्तीसगढ़ की जनता से इसके लिए माफी मांगना चाहिए, कि हमारा छह हजार करोड़ प्रति वर्ष का नुकसान हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, हम उत्पादक राज्य हैं। उत्पादन करते हैं, लोहा करते हैं, स्टील करते हैं, सिमेंट का करते हैं। सारा उत्पादन तो हमारे छत्तीसगढ़ में ही हो रहा है। जो नीति बनी है भारत सरकार की उससे उत्पादक राज्यों का नुकसान होना है। इस नुकसान के लिए कोई जिम्मेदार है तो वह रमन सिंह और उसकी पूरी टीम है।

महात्मा गांधी रीपा पर उद्योगों और निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ राज्य योजना आयोग में आयोजित की गई कार्यशाला

रीपा मॉडल में निजी सेक्टर्स की भागीदारी पर जोर

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए प्रारंभ किए गए महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के मॉडल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आज राज्य योजना आयोग के महात्मा गाँधी सभा कक्ष में शासन की रीपा योजना के अंतर्गत विभिन्न इंडस्ट्रीज एवं कॉर्पोरेट स्टेकहोल्डर के साथ कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में रीपा मॉडल को और अधिक मजबूत बनाने के लिए रूरल इंडस्ट्रियल पार्क में प्रायवेट सेक्टर्स की भागीदारी पर जोर दिया गया। कार्यशाला में ग्रामीण कृषि और गैर कृषि क्षेत्र से संबंधित 30 से अधिक निजी क्षेत्र की संस्थाओं ने शिरकत की।

कार्यशाला के प्रारम्भ में मुख्यमंत्री के

योजना एवं नीति सलाहकार प्रदीप शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को राज्य सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी (एनजीजीबी) पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने गौठान से लेकर रीपा तक के सफर की विस्तृत जानकारी देते हुए, रीपा मॉडल के हरेक पहलू का उल्लेख किया और रीपा के अंतर्गत आने वाले उद्यमों और विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने रीपा मॉडल को और मजबूत करने के लिए प्राइवेट सेक्टर्स के भागीदारी पर भी जोर दिया। इस अवसर पर श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि रीपा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाना एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन के नए आयाम विकसित करना है।

राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंह ने कार्यशाला में बदलती आर्थिक परिस्थितियों में ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश एवं आर्थिक संभावनाओं पर अपनी बात रखी, साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण युवाओं की रोजगार के लिए शहरों पर निर्भरता को कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं उद्यमिता बढ़ाने में रीपा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से उनकी अपेक्षाओं एवं प्रस्तावित सहयोग पर भी चर्चा की, इसके बाद प्रतिभागियों ने अपने विचार सभी अतिथियों के सामने रखे एवं रीपा योजना में यथा उचित सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य योजना आयोग के सदस्य डॉ. के. सब्रमनियम ने ग्रामीण विकास एवं औद्योगीकरण में निजी क्षेत्रों के योगदान पर प्रकाश डाला, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में असंगठित संस्थाओं को संगठित करने पर जोर दिया। इसके बाद कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कृषि एवं कृषि उत्पादन के मुख्य संवर्धन और इसमें रीपा की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किये।

आर.एन.आई. रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.